आज़ादी का अमृत महोत्सव

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा
वर्ष 2020-2021 के लिए

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

क्रम सं.		पृष्ठ सं.
01.	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और क्रम विकास	02
02.	संस्थापकों का इतिहास	03
03.	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	03
04.	दीर्घाएं, भंडार, पांडुलिपियां, उद्देश्य, क्रियाकलाप, दर्शक सुविधाएं	04-11
05.	संग्रहालय के क्रियाकलाप	12-13
06.	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड और उप-समितियां	14-18
07.	वित्तीय स्थिति एक नजर में	19
08.	गतिविधियां, अस्थाई प्रदर्शनियां, विशेष वार्ता, कार्यक्रम	20-27
09	संग्रहालय गतिविधियां, डिजिटाईजेशन	28
10	विकास कार्य	
	दीर्घाओं का पुनर्गठन, विस्तार	29
	वार्षिक लेखा	30-55
.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	56-60

सालार जंग संग्रहालय

संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालार जंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है. इस संग्रहालय के बड़े भाग को नवाब मीर युसुफ अली खान के द्वारा संग्रहण किया गया, जिन्हें सालार जंग-III के रूप में जाना जाता है. इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएं उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I से विरासत में मिली. एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "बुरकापोश रेबेका" को सालार जंग-I द्वारा रोम में सन् 1876 में खरीदा गया था. परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं की प्राप्ति करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा. सालार जंग-III ने 1914 में निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद से मुक्त होने के बाद भी जारी रहा और अपनी मृत्यु होने तक उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संग्रह, कला व साहित्य के खज़ानें को बढ़ाने में लगा दिया. चालीस वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है, जो सालार जंग संग्रहालय में शोभायमान हैं. सालार जंग-III की मृत्यु के बाद, किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालार जंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था, नवाब के संग्रह को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के. वेलोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ. उन्होंने सालार जंग-III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े कला-कृतियों और कुतूहल पैदा करनेवाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया.

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम कला समीक्षक की सेवाएं ली जाए. श्री वेंकटाचलम के समक्ष विकट समस्या थी कि विशाल संग्रहण में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था. प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवड़ी" ही था, जो सालार जंग का पुश्तैनी महल था, जहां जनाब मीर युसूफ अली खान ने अपना पूरा जीवन बिताया. इस तरह से नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालार जंग संपदा समिति के हाथ में ही रही. इसके बाद 16 दिसंबर, 1951 को उनके नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से दीवान देवड़ी में सालार जंग संग्रहालय का उद्‌गम हुआ, जिसे भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया था. इस प्रकार वर्तमान सालार जंग संग्रहालय अस्तित्व में आया. यद्यपि संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालार जंग संपदा समिति के हाथों में ही था. सालार जंग के वंशज उच्च न्यायालय की 26 दिसंबर, 1958 की एक डिक्री के आधार पर वस्तुओं को भारत सरकार को दान देने के लिए एक समझौते पर उदारता से सहमत हुए. उसके बाद 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन, भारत सरकार के अधीन रहा.

वर्ष 1961 में संसद के अधिनियम 1961 की सं.26 द्वारा सालार जंग पुस्तकालय के साथ-साथ सालार जंग संग्रहालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन एवं अन्य संबंधित मामलों को सांविधिक निकाय को सौंपा गया है, जिसे “सालार जंग संग्रहालय बोर्ड” कहा जाता है.

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालार जंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किये गये वस्तुओं को विधिवत सूचीबद्ध किया गया. रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दु भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकार्ड है. वर्ष 1963 और 1964 के दौरान पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेज़ी में एक 109 जोडियों की वस्तुसूची - रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें वस्तुओं का ब्यौरे-वार विवरण, उनके नाप और उनके संबंधित चित्रों सहित दर्शाया गया है. 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोडी बनाई गई, जिसे मास्टर लेड्‌जर्स/सामान्य आवाप्ति रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है.

सालार जंग परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है और इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है.

नवाब मीर युसुफ़ अली खान बहादूर सालार जंग - III

नवाब मीर युसुफ़ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था. उनका महल ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था, जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थीं. इस प्रकार उनके चयन के लिए पांडुलिपियां, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख, फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थीं. भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके यहां अक्सर आया करते थे. उन्हें कला की दुर्लभ वस्तुएं लुभाती थीं. कई वर्षों तक कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे. कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व की ओर ले गया. विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे. वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे. उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच है, जिनके बारे में कहा जाता है कि मैसूर के टिपू सुलतान का है. यह खेद का विषय है कि, वे इन कुर्सियों को नहीं देख पाए, क्योंकि यह परेषण उनके मृत्यु के बाद प्राप्त हुआ. कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अलावा वे कवियों, लेखकों और कलाकारों को आश्रय देते थे. साथ ही साथ वे साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों पर लिखी गई कई पुस्तकों के प्रकाशन में सहायक बने हैं, जैसे 'शेर जंग', 'मीर आलम' / 'रियाज-ए-मुखतारिया' और 'मुराक्का-ए-दिल्ली', जो सभी उनको समर्पित हैं. उनकी अपनी आत्मकथा 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवन काल में प्रकाशित हुई. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, अंतिम सालार जंग द्वारा संचित वस्तुओं में उसके उत्तराधिकारी सही संग्रहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी करते गए. यह चालीस वर्ष तक अर्थात 2 मार्च, 1949 को उनके देहांत तक जारी रहा. उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में, जो एक महत्वपूर्ण कुलीन पुरुष थे और पुरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधानमंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया. हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की. सोसायटी ने यह भी संकल्प लिया कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाए. स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज़ जंग बहादूर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया.

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मूसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया है, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्ज़िद आदि जैसे पुराने शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है. पुस्तकालय और संग्रहालय की वस्तुओं को 1968 में दिवान देवड़ी से नये भवन में अंतरित किया गया. वर्तमान संग्रहालय भवन सुगम स्थल पर होने से आसानी से पहुंचा जा सकता है. यहां सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत ताता लगा रहता है. विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 2000 ई. में बनकर तैयार हुए.

विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंज़िलों के निर्माण का कार्य किया गया जो पूर्ण हो चुका है. इसके द्वारा 20,000 वर्ग फीट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ है, जिसमें कुछ और दीर्घाएं तैयार करने की योजना बनाई जा रही है ।

इस्लामिक कला दीर्घा: सालार जंग के संकलन से इस्लामिक कला / कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है । सिविल कार्य और फेब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है ।

संग्रहालय संकलन: संग्रहालय में, भारतीय मूल के ही नहीं, बल्कि पाश्चात्य, मध्यपूर्व और सुदूर पूर्व मूल की कलात्मक और पुरातत्व वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह हैं. इसके अलावा, बच्चों का अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय, वाचनालय और दुर्लभ पांडुलिपि अनुभाग है. अत: यह संग्रहालय न केवल एक शैक्षिक स्थल बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए एक आनंददायी स्थान बनाता है..

दीर्घाएं :

संग्रहालय में तीन मुख्य ब्लॉकों (खंडों) में 39 दीर्घाएं हैं. भारतीय संग्रह विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर तथा कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बिजापुर, कर्नूल तथा निर्मल से हैं.

पश्चिमी संग्रहों में शामिल हैं- इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, जेकॉस्लोवेकिया, और ऑस्ट्रिया. पूर्वी देशों से वस्तुएं चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाइलैंड, इंडोनेशिया से और मध्य पूर्व देश जैसे मिश्र (ईजिप्त), सीरिया, फारस (पर्शिया),और अरेबिया से संग्रहित की गई हैं. भारतीय कलाकृतियों में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य मूर्तियां, लकड़ी पर नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदंत, संगेमरमर, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच - बक्तर, उपयोगी शिल्पी बर्तन आदि शामिल हैं.

दीर्घाओं की सूची

1. **संस्थापक दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई है. इस दीर्घा में मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क-II, मोहम्मद अली खान, सालार जंग-I, सालार जंग-II और सालार जंग-III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो दीर्घा में अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करते हैं.
2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण दीर्घा:** संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोळ काल के हैं.
3. **भारतीय मूर्तिकला :** यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट आकृतियों को दर्शाती हैं. ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है. अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियां, गंधर्व शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्म निरपेक्ष मूर्तियां हैं.
4. **दक्षिण भारत की लघु कलाएं :** भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है. प्राचीन धर्मग्रंथों में विभिन्न प्रकार के धार्मिक वृक्षों और पौधों, जो देवी-देवताओं के प्रतिमाओं की नक्काशी के लिए प्रयोग किए जाते थे, उसके बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है. इस दीर्घा में पर्यटक लकड़ी की नक्काशी, निर्मल चित्रकारी, धातुशिल्प और हाथीदंत नक्काशी की झलक देख सकते हैं. दीर्घा का एक बड़ा भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है.
5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा :** संग्रहालय का वस्त्र संग्रह बहुत महत्वपूर्ण है विशालता और विविधता दर्शाता है. संग्रहालय में टाइ एवं डाइ या बांधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं. संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्र, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत और आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं.
6. **हाथीदंत कलाकृतियां:** सालार जंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है. हाथीदंत संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है. संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह हैं.
7. **दुपट्टा रेबेक्का दीर्घा :** इस संगमरमर की मूर्ति को जी.बी.बेन्ज़ोनी द्वारा पारदर्शि दुपट्टे में तराशा गया है.

इस महान कृति को 1876 ई. में सालार जंग – I द्वारा खरीदा गया था. विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी.बेन्ज़ोनी ने युवा रेबेक्का को झुकावदार दुलहन के रूप में पारदर्शि दुपट्टे में तराशा है.

8. **पैदल छड़ी दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं.

9. **अस्त्र-शस्त्र और कवच :** सालार जंग संग्रहालय में अस्त्र-शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष - बाण और बारूद आदि शामिल हैं. रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के तलवार, ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतर सूट आदि शामिल है. संग्रहण में मुगल शासक औरंगजेब, टिपू सुलतान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए है.

10. **धातु शिल्प दीर्घा :** रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फारसी, बरमनी, जापानी, भारतीय, रूसी तथा अंग्रेज़ी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है.

11. **आधुनिक भारतीय चित्रकला :** संग्रहालय के संग्रहण में पचासी कलाकारों की कृतियां सजायी गयी हैं. राजा रवि वर्मा पाश्चात्य परंपरा में प्रशिक्षित हुए थे और भारतीय विषयों को समाविष्ट करते हुए भारतीय पौराणिक और शास्त्रीय विषयों पर अत्यधिक मात्रा में तैलचित्र बनाए. उनके बनाए हुए दो चित्र अर्थात केरल की खूबसूरती और स्टोलन इंटरव्यू दीर्घा की शान बने हुए हैं. बंगाली समुदाय के प्रतिनिधियों में रविन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बिहारी मुखर्जी और वी.एस मारोजी प्रमुख संग्रह हैं. अबनींद्रनाथ की दो कृतियां "क्या आपने उनकी शांत कदमों की आहट सुनी है" और "संगीतकार" को इस संग्रहालय में जगह मिली हुई है. नंद लाल बोस, भारतीय चित्रकला के आधुनिक नवचेतकों में से एक हैं, बंगाल की उत्कृष्ट पेंटिंग की शोभा बढ़ाते हैं. उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियां क्रमश: "वसंत" और "आग के चारो ओर ग्रामीण" प्रतिनिधित्व करती हैं. विख्यात चित्रकार जिन्होंने नए प्रयोग किए हैं जैसे एम.एफ.हुस्सैन, के.के.हेब्बार, एन.एस.बेंदु, पानिकर, के.एस.कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पैदि राजु और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं.

12. **भारतीय लघु चित्रकला :** मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं. लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के रोमानी भूमि का बहुत बड़ा योगदान है. 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी के उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली कांगड़ा क्षेत्र से हैं. बहुतायत चित्रकारी दक्कन कलाम की विरासत ओर नज़ाकत को दर्शाते हैं. संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिसपर 14वीं और 15वीं शताब्दी की पाश्चात्य भारतीय शैली की चित्रकला है.

13. **खिलौने और गुडिया :** संग्रहालय के इस दीर्घा में खिलौने और गुडिया का बृहत संकलन मौजूद है. का बृहत संकलन मौजूद है. भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही खिलौने और गुडियों का संकलन किया जाता रहा है. विभिन्न स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व होता है. पुराने ज़माने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों पक्षियों और देवी-देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश किए जाते थे.

    कोंडपल्ली, विजयवाडा के खिलौने सारे देश में और विदेशों में एक महान प्रतिष्ठा की स्थापना की है. खिलौने अमुमन पक्षियों, धार्मिक और नित्य कार्मिकों से प्रभावित होते है इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं

14. **फ्लोरा और फौना दीर्घा :** इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य युरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर एवं चीनी मिट्टी से बने पशु और परिंदे प्रदर्शित किए गए हैं.

15. **बाल खंड :** इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों

द्वारा यहाँ आने वाले बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया जाता है.

इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के पीतल की आकृतियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियाँ, संगीत की पेटियाँ, संगेमरमर की मूर्तियों और खिलौनों की भरमार है. जपान के गीभा खिलौने, लियोनल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंगलैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी का सेट और सफेद बर्फ के सात बौने प्रतिमाओं का सेट आदि इस खंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं..

16. **अरबी और फारसी पांडुलिपियां :** अरबी और फारसी पांडुलिपियां संग्रहालय के महत्वपूर्ण संकलन है. सबसे प्राचीन प्रदर्शित पांडुलिपि पवित्र कुरान है, जिसे कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखा गया है और जो 9वीं शताब्दी इसवी सन् का है. इसके अलावा यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है तथा दीर्घा की शोभा बने हुए हैं. अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुलतान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहां की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँआरा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, प्रदीप्त पवित्र कुरान, मोहम्मद-बी-अब्दुल रहमान समरकंदी (1424 ई. सं.) द्वारा लिखित फिरदौसी का शाहनामा आदि हैं.

17. **फ्रेंच अफ्रीकी दीर्घा :** इस दीर्घा में 24 कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं. एक अफ्रीकी मूंह में पैप रखकर समाचार पत्र पढते हुए दर्शाने वाली कलाकृति इस दीर्घा में आकर्षण का केंद्र है.

18. **भारतीय रजत दीर्घा :** इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (आंध्र प्रदेश) तथा कटक (उडिसा) के फिलइग्री कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं.

19. **कालीन :** संग्रहालय के मध्य पूर्वी कला संकलन में फारसी कालीन एक महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है. इस दीर्घा में तटिल बुनाई और विभिन्न आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के खूबसूरत नमूने, विशेषत: फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघा, अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज, किरमान, शिराज आदि दीर्घा में प्रतिनिधित्व करते है.

20. **इजिप्तियन और साईरियन कला :** यद्यपि प्रदर्शित किए गए इजिप्त की कलाकृतियों का बड़ा भाग प्राचीन इजिप्तियन राजाओं के महत्वपूर्ण मकबरों से लिए गए मूल की केवल नकल है, इन कलाकृतियों में सज्जा सामग्री, गोटा-पट्टा कार्य और हाथीदंत नक्काशी शामिल हैं."तूतनखामेन" सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केन्द्र हैं, जो 1340 ई. पू. का है, इसका मूल रूप मिस्र के कैरो संग्रहालय में है. यद्यपि इसकी नकल 20वीं सदी में बनाई गई, इस सिंहासन को देखने से मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते हैं. सायरियन के कलाकृतियों में मोतियों की जननी जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं. उनमें से अधिकतम उत्कीर्ण किए हुए है.

21. **संगेमरमर दीर्घा :** संगेमरमर अर्धकीमती पत्थर है, जो प्राय: पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों, हीरा पन्ना से स्याह काली हरे रंगों में मिलता है. इन संग्रहों में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई विस्क हैंडल और हेयर पिन्स आदि हैं. संगेमरमर का अंकित पुस्तक स्टैंड "शमशुदिन इत्तामिश", "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" अंकित धनुर्धर रिंग मुगल शासक शाहजहां का शीर्षक आदि कुछ उत्कृष्ट कलाकृतियां हैं. संगेमरमर से बनी हुई फलों की चाकू और छुरा जिसमें बहुमूल्य पत्थर जड़े हैं, क्रमश: जहांगीर और नूरजहां से संबंधित माने जाते है.

22. **बिद्री दीर्घा :** बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है. बिद्री कला बीदर से संबंधित नहीं है, परन्तु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में की जाती है. सामान्यत: यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है. काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको

उत्कृष्टता प्रदान करता है. इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्प कला के नमूने जैसे, हुक्का बेस, पानदान, ट्रे, सुराहियां, अफ्तबास, गुलदस्ता, आदि प्रदर्शित हैं.

23. **कश्मीर दीर्घा :** कश्मीर कक्ष में पेपर मशीन, हाथीदंत, लकडी, सिल्क और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल करीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं.

24. **सिक्का दीर्घा:** संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का बृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्या सामराज्य, शातवाहना, विष्णुकुंडी, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्याओं के सिक्के इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

इस्लामी सिक्के, दिल्ली के सुलतान जैसे खिलजी, तुगलख उनके बाद बहमनी शासन, निज़ाम शाही, बरीद शाही, मुगलों का, कुतुब शाही, आसिफजाही सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

25. **उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा :** यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं तथा मुरादाबाद और दक्क़नी पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां, आदिवासी कला के सेट इस दीर्घा में शोभायमान है.

26. **यूरोपीय फर्नीचर :** यूरोपीय कलाकृतियों के संकलन का एक और अदभुत हिस्सा है यूरोपीय सज्जा सामग्री. फ्रेंच सज्जा सामग्री में कैबिनेट, कनसोल, कुर्सियां, सोफा सेट, कमोड, रमणीय परदा, मेज आदि विविध सामग्री हैं, जो लोइस XIV (1643-1715), लोइस XV (1715-44), लोइस XVI (1774-92) और नेपोलियन-I की अवधि से संबंधित हैं और जो दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं.

27. **चीनी संकलन :** इस संग्रहालय के चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी के हैं. प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन जो बाहरी दुनिया में पहुंचने पर निस्संदेह "सेलाडन" (काही) होते हैं, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री है. इस सामग्री में कुछ रहस्यपूर्ण स्वभाव के गुण हैं. इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, तराशे हुए बोतल, गुलदान और सज्जा सामग्री आदि शामिल हैं. संग्रहालय में हाथी दांत पर हाथ से की गयी कारीगरी और कुशल नक्काशी देखते ही बनती है. हाथी दंत के संग्रहण में नक्काशी के अदभूत संग्रह 18वीं से 19वीं शताब्दी के हैं.

28. **सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा :** इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी के चीन में बने चीनी मिट्टी के बर्तन, 17वीं से 19वीं शताब्दी के जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है.

29. **जपानीज़ कला :** यद्यपि जपानीज़ कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, उसने संस्कृति और कला के क्षेत्र में स्वत: अपनी पहचान बनाया है. संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं में सफेद और नीले चीनी मिट्टी के बर्तन हैं, जो 17वीं सदी के है. संग्रहालय में प्रख्यात सतसूमा सामग्री है, जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, बोऊल और प्लेट तथा चाय के सेट्स का प्रचुर संकलन है. संग्रहालय में समुराय तलवार है, जिस पर हाथी दांत के मूठ लगे हुए हैं, जो कटना (बड़ा तलवार) और वाकिजास (छोटी तलवार) दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट की हुई कोडज़ाका (मिसाईल के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी है.

30. **सुदूरपूर्वी मूर्ति कला :** इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसे देशों से शिल्पकारी कलाओं से रोचक चित्रों को प्रदर्शित करता है, इन देशों को विश्व के श्रेष्ठ देशों के रूप में माना जाता है .यहां पर मूर्तिकला विशिष्ट तीन माध्यमों से जैसे - कांस्य, धातु और लकड़ी के होने पर है. इस दीर्घा में अधिकतम कलात्मक वस्तुएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित है, जो बौद्ध मत का प्रभाव भारत जैसे भूखंड से फैलकर भारतीय उपमहाद्वीप जैसे चीन और जापान भू-भागों में भी फैला हुआ है. बौद्ध मूर्तिकला के अलावा इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं.

31 और 32. **सुदूर पूर्वी लकड़ी के नक्काशिदार फर्नीचर :** 17वीं से 20वीं शताब्दी के चीन,जापान और बर्मा में बने लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहां प्रदर्शित है.

33. यूरोपीय पेंटिंग : यूरोपियन संकलन में तैल और जल चित्रकारी का महत्वपूर्ण स्थान है. वे जनता की रुचि और उस काल के कलात्मक अभिव्यक्ति को भी दर्शाता है. संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में केनालेट्टो, हयेज, ब्लास, मार्क, अलडाइन, डिजियानी, माटिन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों के कार्य शामिल हैं. सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित केनालेट्टो का तैल चित्र पियाज़्ज़ा सब मारको एक मनमोहक कृति है, जिसमें सुंदर संरचना, मोहक रूप, रमणीय प्राकृतिक दृश्य और उत्कृष्ट परिदृश्य सम्मिलित है. हयेज़ की सुंदर कृति साबुन के बुलबुले, जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है.

34. यूरोपीय शीशा : संग्रहालय में वेनीस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेलजियम, तुर्किश और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं. वेनीस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में विशिष्ट स्थान रखते हैं. बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बरोक शैली में एकांथस, फूल, बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया है.

35. फ्रेंच दीर्घा : इसमें बारूके, रोक्कोको, फ्रांस और ओरमोलु के नियो शास्त्रीय शैली में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है.

36. यूरोपीय घड़ियां : सालार जंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है. इनमें चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घडी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल है. संग्रहालय में लुईस XV, लुईस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I काल की घड़ियां इसके कुछ उदाहरण भी है. यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घडी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी. इसमें एक यांत्रिक उपकरण है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटी बजाता है और वापस पिंजरे के अंदर चला जाता है.

37. यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन : संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेवरेस संचयन के बाद आता है. ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के संकलन का उत्कृष्ट नमूना है बकरे पर सवार एक दर्जी और उनकी पत्नी का चित्र. अंग्रेजी चीनी मिट्टी की कलाकृतियां विभिन्न प्रकार की है, जो ज्यादातर 19वीं सदी में बनाई गई हैं. उत्कृष्ट नमूनों में से प्याली, तश्तरी, प्लेट, कलश, गर्म पानी प्लेट, लघु मूर्तियां आदि शामिल हैं. इस संग्रहण में वरसेस्टर, चेलसिया, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचिस्टर, मिनटन, वेजवूड आदि फैक्टरियों के नमूने भी शामिल हैं.

38. यूरोपीय कांस्यवर्ण : संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्यवर्ण की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल भी संग्रहित है, जो काफी विख्यात हैं. यह माध्यम पश्चिम में लोकप्रिय है. ग्रीक कलाकृतियों में "लाऊकून और उसके बेटे" नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है. यह कला ग्रीक शिल्पकारों को युगों से प्रभावित करती आई है तथा सबसे पुरानी कलाकृति 50 ई.पू. की है. इसके अलावा, यहां और कई प्रतिमाएं है, जैसे - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर आन हार्स बैक, ऑगस्टस, सीज़र नाईट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाते हैं.

39. यूरोपीय संगमरमर दीर्घा : संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बडा संकलन है यद्यपि उनमें विख्यात शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल है, जो बगीचे में रखने वाली मूर्तियां है. इस कृति में विश्व विख्यात शिल्पकार जी.बी. बेन्ज़ोनी ने अपनी अतूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की लज्जा और यौवन को झलकाया है. इसके अतिरिक्त प्रो.बोरियोने द्वारा बनाया गया क्लियोपात्रा, फ्रांस के शिल्पकार का 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिमा कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं. प्रसिद्ध फ्रेंच मूर्तिकार, कनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं वीनस के रूप में राजकुमारी पौलिन कास्ट

और दूसरी वीनस की मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं. इटली, फ्रांस और इंग्लैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर मूर्तियां संग्रहालय में उपलब्ध हैं.

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री वार अलग-अलग किए गए हैं, जैसे: वस्त्र, लकडी के फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्षों में शिफ्ट किए गए हैं, इन कक्षों को कमपैक्टर्स और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं, जिसमें इन वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता है. अभी तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कम्पैक्टर्स लगाए गए हैं.

पांडुलिपियां और पुस्तकालय:

सालार जंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालार जंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियां शामिल है, इस संकलन का उद्गम ईसवी सन् 1656 में हुआ. नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया, जिसे बाद में उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालार जंग-II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग-III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की. पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंज़िल पर स्थित है. इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेज़ी, हिंदी, उर्दु, तेलुगु, फारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें हैं. अंग्रेज़ी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएं, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान उत्कीर्णन शामिल हैं. इस बृहद् संग्रह की प्रमुख बात यह है कि इसमें ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें हैं जैसे कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक और जीव - जंतु शास्त्र, सामाजिक शास्त्र, साहित्य, इतिहास तथा यात्रा. इस्लाम, हिंदुत्व, इसाई और अन्य धर्मो से संबंधित धार्मिक पुस्तकें भी इसमें शामिल है. इस संग्रह की प्राचीनतम पुस्तक ईसवीं सन् 1631 में मुद्रित एक अंग्रेज़ी पुस्तक है. इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरैमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, संग्रहालय पर्यटन इत्यादि विषयों से संबंधित नयी पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं. संग्रहालय के कर्मचारियों के अलावा अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेशों से) नियमित रूप से पुस्तकालय को आते रहते हैं. औसतन प्रतिदिन दस व्यक्ति अपने ज्ञान बढ़ाने तथा समृद्ध करने हेतु पुस्तकालय का उपयोग करते हैं. संग्रहालय में उपलब्ध उत्कृष्ट पांडुलिपियों के संग्रह में अरबी, फारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं के हैं. इस संग्रह में सुलेखन पट्ट भी हैं. इन सचित्रों में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फहान, शिराज, तब्रेज, कचार, हार्ट, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात, कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकोंडा, बिजापुर, बीदर और हैदराबाद. पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिक, रसायन, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न पुस्तकें हैं.

अरबी पांडुलिपियां:

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियां हैं. इसकी बड़ी विशेषता है कि बीजगणित (847 ई.) पर शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर नामक गणित पर दुर्लभ कृतियां हैं. खगोल शास्त्र में पहला कार्य है - ग्लोब को बनाना तथा उसका प्रयोग करना (16वीं सदी), चिकित्सा के क्षेत्र में अविसेना (आईबीएन सिना) का किताबुल कैनून और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है. दर्शन के क्षेत्र में, रसैल इख्वानस साफा (16वीं सदी) का इन्सोक्लोपीडिया कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है. तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक, नसीरूद्दीन तुसी (1628 ई.सन) का प्रसिद्ध कार्य है तथा बादशाह जहाँगीर की इम्पीरियल पुस्तकालय से अला शारहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं. यहां के संग्रहण में शिया और सुन्नी, यहूदी और सूफियों द्वारा आदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लाम के विचार की पांडुलिपि भी उपलब्ध है. सूफी सिद्धांत (दिल्ली-1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर तार्रुफ लि मधबिट तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है. अबु नसर का शब्दकोश साबब (1218 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है. जै उल क्वायद का पर्यायवाची शब्दकोश (1576 ई.) का

प्राचीनतम संग्रह है और निज़ाम-II की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखा गया अस शाफिया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं.

फारसी पांडुलिपियां:

फारसी भाषा के पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध हैं. सबसे अधिक उल्लेखनीय रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परम्परा के बीस उद्धरण दिए गए हैं और प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है. सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि अल बसैर फिल वुजुह वन नज़ीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ई. में लिखा गया है. तसव्वुफ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ का लिप्यंतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया. कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं.

सुलेखन कला पर संग्रहालय में अनेकों पांडुलिपियां हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियां, जो शाहजहाँ के लिए दस्तूर - ए - पुख्तान एल अतामाह नाम से रचित है. इत्र (सुंगधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियां हैं. चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फारसी में अनुवाद मुहम्मद-अर-रादि द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गयी तरजुमा-ए-मिन्हजुल उपलब्ध हैं. संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा इन्सिक्लोपीडिया उपलब्ध है. पशु चिकित्सा विज्ञान में पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मौलजा-ए-जानवरान है और यह फ़िरोज शाह (1281 ई.) को समर्पित है.

उर्दू, तुर्कि, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियां

सालार जंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों से संबंधित उर्दू की पांडुलिपियां हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए-कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा नुरूस, अंकगणित पर "लीलावती" नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. तुर्कि में 25 पांडुलिपियां, कुछ हिंदी में और फारसी लिपि में, कुछ पन्ने जैन कल्पसूत्र और कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता के बारे में उपलब्ध हैं.

संग्रहालय के उद्देश्य:

1. संग्रहालय की कलाकृतियों और संकलन को संरक्षित तथा सुरक्षित रखना.
2. सालार जंग के संकलन और अन्य अर्जित कलाकृतियों को संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदर्शित करना.
3. प्रख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, अन्य संग्रहालयों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों के सहयोग से संग्रहालय संकलन और कला इतिहास से संबंधित व्याख्यानों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों का आयोजन करना.
4. वैज्ञानिक, सौंदर्य और सार्वजनिक अनुकूल तरीके से मौजूदा दीर्घाओं में कलाकृतियों को आधुनिक रूप से प्रदर्शित और अनुरक्षित करना.
5. जन सामान्य में संग्रहालय की कलाकृतियों और कला इतिहास के बारे में जागरुक्ता लाने के लिए साहित्य जैसे: अनुसंधान जर्नल, पुस्तकें, ब्रोचर, बुकलेट आदि प्रकाशित करना.
6. संग्रहालय को एक सृजनात्मक केंद्र तथा गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:

- संग्रहालय के क्रियाकलाप है, संग्रहालय की कलात्मक संपदा का संकलन, प्रलेखन, प्रदर्शन, संरक्षण और व्याख्यान आदि.
- सालार जंग संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है.
- उपर्युक्त के अलावा संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्म कालीन कला शिविर आदि भी आयोजित किए जाते हैं ।

दर्शक सुविधाएं

- संग्रहालय में आमानती सामान घर प्राप्ति केंद्र और अलग से बुकिंग काउंटर की व्यवस्था की गई है.
- संग्रहालय में दर्शकों के लिए मुख्य भवन में पूर्ण केफेटीरिया और पश्चिम ब्लॉक में एक छोटे आउटलेट की व्यवस्था है जिसे तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा चलाया जा रहा है.
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए व्हील चेयर और शौचालय की भी व्यवस्था की गई है.
- मल्टी मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधा : संग्रहालय के चार दीर्घाओं में संपूर्ण सूचना के साथ टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है. प्रवेश स्थान पर 65" स्क्रीन वाली संग्रहालय सूचना प्रणाली स्थापित की गई है.
- संग्रहालय में एक स्मारिका शॉप है जिसमें मार्गदर्शक पुस्तिकाएं, संग्रहालय संकलन के प्रकाशन, कलाकृतियों की प्रतिकृतियां आदि एचएचईसी के स्मारिका शॉप के माध्यम से प्रदान किए गए है.
- दर्शकों के लिए शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की गई है. संग्रहालय में आर ओ प्लांट स्थापित किया गया है, जो सभी वॉटर कूलरों को कनेक्ट किया गया है.
- दर्शकों को बैठने के लिए बेंचों की व्यवस्था की गई है.
- तीनों भवनों के फ्लोर प्लान के संक्षिप्त स्केच के साथ सूचना और संकेत सहित आकर्षित बहु रंगीन टिकट आरंभ किए गए जिसे दर्शक बुक मार्क के रूप में संरक्षित कर सकते हैं.
- संग्रहालय आने वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सभी तीनों बलॉकों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है.
- सभी भवनों के प्रवेश में रैंप की व्यवस्था की गई है.
- बधीरों (कम सुनने वालों) के लिए सभी दीर्घाओं में कलाकृतियों के बारे में सामान्य लेबल और विवरण बोर्ड लगाए गए हैं.
- ज़रूरतमंदों के लिए विशेष रूप से एक बेबी फीडिंग रूम बनाया गया है. आंतरिक सुविधाओं के साथ वातानुकूल, सोफा जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं. बेबी फीडिंग रूम के समीप ही एक वाटर कूलर प्वाइंट उपलब्ध कराया गया है.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:
शिक्षा विभाग
सालार जंग संग्रहालय के शिक्षा विभाग में निम्नलिखित शाखाएं हैं:

1. शिक्षा

2. प्रकाशन.

3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाए गए हैं :-

1.शिक्षा

(क) अस्थाई प्रदर्शनियां

विशेष / यात्रा प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां

(ख) व्याख्यान

मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा, स्मरण व्याख्यान

(ग) अन्य गतिविधियां

ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विश्व धरोहर सप्ताह, सालार जंग – III जयंती समारोह, संग्रहालय स्थापना दिवस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं और कार्यक्रम

(घ) शैक्षणिक पाठ्यक्रम

संग्रहालय शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से), आंतरिक कर्मियों और स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

(च) प्रलेखन

विषयसूची कार्ड तैयार करना, मास्टर लेजरों का रख-रखाव, संग्रहालय वस्तुओं का कंप्यूटरीकरण, दीर्घा सी डी तैयार करना.

2. प्रकाशन

गाईड पुस्तकें, ब्रोशर, पैम्पलेट, द्विवार्षिक एसजेएम पत्रिका तैयार करना व मुद्रण, संग्रहालय स्मारिकाओं का (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, सी डी, प्रतिकृतियां आदि) मुद्रण, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण और ब्रिक्री काउंटरों की देखभाल. संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य भारतीय हस्तकला और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड (हथकरघा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) को दिया गया है.

3. जनसंपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जनसंपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है. इस शाखा के अंतर्गत सामान्य और अति विशिष्ट पर्यटकों को नि:शुल्क गाईड सेवा प्रदान की जाती है. सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं.पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई है, जिनके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है. जनसंपर्क की मुख्य गतिविधियां हैं: संग्रहालय गाइडिंग, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, अन्य एजेंसियों जैसे एएसआई, पर्यटन विभाग के साथ जनसंपर्क बनाए रखना.

रसायनिक संरक्षण स्कंध :

रसायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलात्मक वस्तुओं का क्षति तथा खराबी से सुरक्षित परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. संरक्षण स्कंध अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के परिरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार होता हैं. संग्रहालय में एक परिरक्षण इकाई भी है. रसायनिक संरक्षण स्कंध की निम्नलिखित गतिविधियां हैं :-

- दीर्घाओं में प्रदर्शित तथा भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक वस्तुओं का परीक्षण.
- प्रयोगशाला में, क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना.
- वस्तुओं के उपचार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना.
- वस्तु के लिए ऐसा उपचार करना जो परिरक्षक और निवारक दोनों प्रकार हो.

इंजीनियरी स्कंध :

इंजीनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में हुई, जिसका उद्देश्य है, (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन का पर्यवेक्षण (ii) परिरक्षण की देख-भाल (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें सिविल, जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन, बागवानी विकास और अनुरक्षण शामिल है. इस समय इंजीनियरी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन परियोजना कार्य से संबद्ध है.

संग्रहालय कर्मचारी :

परिरक्षक कर्मचारियों में क्युरेटर्स, उप-क्युरेटर्स और दीर्घा सहायक शामिल हैं. उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार में रखे कलावस्तुओं की उचित सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना और उनका प्रलेखन, दीर्घाओं का अनुरक्षण तथा आरक्षित संचयन. प्रदर्शनियों के आयोजन और दीर्घा व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्युरेटर्स जिम्मेदार है. इसके अलावा यहां एक फोटोग्राफी सेक्शन भी है. वरिष्ठ गाइड प्राध्यापक तथा गाइड प्राध्यापक की सहायता से पर्यटकों के लिए गाइडेड दौरा आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उद्गम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं.

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार व तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होते हैं। 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन और छः नामित सदस्य होते हैं।

बोर्ड अपने चार समितियों अर्थातः कार्यकारी, वित्तीय, भवन सलाहकार और संग्रहालय विकास समितियों के सहयोग से प्रमुख प्रशासनिक, वित्तीय और विकास गतिविधियों पर निर्णय लेता है।

बोर्ड का गठन निम्नानुसार है:

(क) तेलंगाना राज्य के राज्यपाल **- पदेन अध्यक्ष**

(ख) संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि **- पदेन सदस्य**
जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो
और जो उप सचिव के स्तर से कम न हो

(ग) महापौर, हैदराबाद महानगर निगम, **- पदेन सदस्य**

(घ) उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति **- पदेन सदस्य**

(ङ) महालेखाकार, तेलंगाना **- पदेन सदस्य**

(च) *केंद्र सरकार द्वारा एक नामित व्यक्ति, जो स्वर्गीय नवाब सालार जंग बहादुर (जिनका देहांत दिनांक 2 मार्च,1949 को हुआ था) के परिवार का सदस्य हो ।

(छ) *केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिन्हें यथा संभव संग्रहालय से संबंधित प्रशासनिक मामलों का अनुभव हो।

(ज) *राज्य सरकार के द्वारा नामित दो व्यक्ति।

*नोट: बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

वर्ष 2020 - 21 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:

1. **डॉ तमिलिसै सौंदरराजन,** - **पदेन अध्यक्ष**
   महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना,
   (8 फरवरी 2020 से)
   हैदराबाद.

2. **संयुक्त सचिव (संग्रहालय)** - **पदेन अध्यक्ष**
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

3. **श्रीमती विजया लक्ष्मी आर.गदवाल,** - **पदेन सदस्य**
   महामहिम महापौर
   हैदराबाद महानगर निगम,
   हैदराबाद.
   11.02.2021 से प्रभावी

4. **श्री अरविंद कुमार, भाप्रसे,** - **पदेन सदस्य**
   प्रमुख सचिव,
   नगरपालिका प्रशासन, शहरी विकास
   तेलंगाना सरकार और
   प्रभारी कुलपति,
   उस्मानिया विश्वविद्यालय,
   हैदराबाद
   (25 जुलाई 2019 से प्रभावी)

5. **श्री अनिंद्या दास गुप्ता,** - **पदेन सदस्य**
   महालेखाकार, (ए एंड ई)
   तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

6. **नवाब एहतरम अली खान,** - **भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य (सालार जंग परिवार से)**
   घर नं. 9-4-2, टोली चौकी,
   हैदराबाद

7 **प्रो. वी. किशन राव** - **भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
   प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति,
   पुरातत्व विभाग के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष तथा
   रजिस्ट्रार (सेवानिवृत्त)
   उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

8. **डॉ. एस. जय किशन** - **भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
सचिव और संवाददाता,
भवन्स् न्यू साइंस कॉलेज
रामकोट, हैदराबाद

9 **डॉ. जी. कमलाकर** - **भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
निदेशक (सेवानिवृत्त)
विडला विज्ञान संग्रहालय,
हैदराबाद.

10 **रिक्त** - **तेलंगाना सरकार द्वारा नामित सदस्य**

11 **रिक्त** - **तेलंगाना सरकार द्वारा नामित सदस्य**

बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का 18 नवंबर 2013 से 5 वर्षों की अवधि के उपरांत कार्यकाल 17 नवंबर 2018 को पूर्ण हो गया था।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना संख्या 76 के भाग II, उप-खंड (i) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्रतीक्षित है।

सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव को नामित किया गया है।

कार्यकारी समिति

कार्यकारी समिति में 5 सदस्य शामिल है:

पदेन अध्यक्ष के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति और बोर्ड द्वारा (4) मनोनीत सदस्य:

श्री अरविंद कुमार, भाप्रसे **-पदेन अध्यक्ष**

प्रमुख सचिव,
नगरपालिका प्रशासन तथा शहरी विकास
तेलंगाना सरकार.
और
प्रभारी कुलपति,
उस्मानिया विश्वविद्यालय,
हैदराबाद

और बोर्ड के 4 नामित सदस्य - रिक्त

सभी 11 सदस्यों के साथ सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के गठन हेतु राज्य सरकार द्वारा दो (2) सदस्यों को नामित करना प्रतीक्षित है, उपरोक्त को देखते हुए; बोर्ड की बैठक आयोजित नहीं की जा सकी क्योंकि, कार्यकारिणी समिति में चार (4) सदस्यों को बोर्ड द्वारा नामित किया जाना प्रतीक्षित है, इसलिए कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित नहीं की जा सकी।

वित्त समिति

वित्त समिति में 6 सदस्य शामिल है

i)	महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना	-	**पदेन अध्यक्ष**
ii)	अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य	-	**सदस्य**
iii)	कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-	**सदस्य**
iv)	संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो	-	**पदेन सदस्य**
v)	भारत सरकार, संस्कृति विभाग द्वारा मनोनीत	-	**पदेन सदस्य**
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद	-	**सदस्य सचिव**

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है :

1) **श्री अनिंद्या दास गुप्ता,** आईए & एएस - **अध्यक्ष**
महालेखाकार, (ए एंड ई), तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

2) **बोर्ड के सदस्य,** - **रिक्त**
सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा
मनोनीत किया जाना है

3) **श्री अरविंद कुमार,** भाप्रसे - **सदस्य**
प्रमुख सचिव, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास
तेलंगाना सरकार. तथा
प्रभारी कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद.

4) **वित्तीय सलाहकार** (आई.एफ.डी.) या उनके प्रतिनिधि - **सदस्य**
एकीकृत वित्त मंडल, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली.

5) **भारत सरकार द्वारा मनोनीत** - **सदस्य**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली.

6) **डॉ. ए.नागेंदर रेड्डी** - **सदस्य सचिव**
निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद.

वित्त समिति ने 9 अक्तूबर 2020 को वर्ष 2019-20 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा को मंजूरी दी और संग्रहालय को प्रमुख लेखा परीक्षा निदेशक (केंद्रीय) तेलंगाना से ऑडिट पार्टी को आमंत्रित करने की अनुमति दी.

भवन सलाहकार समिति

भवन सलाहकार समिति के 6 नामित सदस्यों का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था.

संग्रहालय विकास समिति

संग्रहालय विकास समिति में निम्नलिखित शामिल हैः

I) तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव - **पदेन अध्यक्ष**

ii) बोर्ड के 6 नामित सदस्य.

संग्रहालय विकास समिति के 6 नामित सदस्यों का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूर्ण हो गया था।

5 फरवरी 2019 को प्रकाशित भारत के राजपत्र संख्या 76 में भाग II -उप खंड (I) भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। नए मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल भारत के राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए होता है। राज्य सरकार अर्थात तेलंगाना सरकार से 2 और नामांकन अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं। संपूर्ण बोर्ड के पूर्ण होने के उपरांत सदस्यों को भवन सलाहकार समिति तथा संग्रहालय विकास समिति के लिए बोर्ड की आगामी बैठक में नामित किया जाएगा।

वित्तीय स्थिति - एक नज़र में
2020-2021

(लाख रु. में)

लेखा शीर्ष व अन्य	अनुदान	गेट प्राप्तिया	कुल	व्यय	कुल	शेष
31-जीआईए-सामान्य	810.00	-	810.10	31-जीआईए-सामान्य	810.00	0.00
35 -जीआईए- सीसीए	100.00	-	100.00	35-जीआईए-सीसीए	100.00	0.00
36-जीआईए- वेतन	1100.00	70.99	1170.99	36-जीआईए-वेतन	1170.99	0.00
96.31 स्वच्छ भारत	1.40	-	1.40	96.31 स्वच्छ भारत	1.40	0.00
कुलः	**2011.40**	**70.99**	**2082.39**	**कुलः**	**2082.39**	**0.00**

दर्शक: वित्तीय वर्ष 2016–17 से 2020-21 के दौरान दर्शकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :-

वित्त वर्ष	भारतीय दर्शक	गैर-भारतीय दर्शक	राजस्व रु. में
2016-17	12,27,577	8,108	2,26,01,030
2017-18	12,83,486	7,763	2,30,38,780
2018-19	13,37,624	8,041	2,39,47,890
2019-20	12,11,766	6,829	2,10,26,660
2020-21	1,47,746	84	28,12,010

वर्ष के दौरान 1,47,830 दर्शकों (84 गैर-भारतीय दर्शकों सहित) ने संग्रहालय का दौरा किया। प्रवेश टिकटों की बिक्री के जरिए कुल 28,12,010/- रु. (गैर- भारतीय दर्शकों से प्राप्त 42,000/- रु सहित) का राजस्व प्राप्त हुआ। मार्च से नवंबर, 2020 तक कोविड-19 महामारी के परिणाम स्वरूप और संग्रहालय के बंद होने के कारण दर्शकों की संख्या कम हुई है।

I गतिविधियां

अवधि के दौरान संग्रहालय ने 17 अस्थायी प्रदर्शनियों, 2 विशेष वार्ताओं और महत्वपूर्ण धार्मिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ 14 कार्यक्रमों का आयोजन किया।

कोविड महामारी के कारण भारत सरकार द्वारा लगाए गए लॉक डाउन को देखते हुए संग्रहालय 15 मार्च से 10 नवंबर, 2020 तक दर्शकों के लिए बंद रहा। लॉकडाउन अवधि के दौरान संग्रहालय ने ऑनलाइन आभासी प्रदर्शनियों का आयोजन किया है और नेटिज़न्स के लाभ के लिए सालार जंग संग्रहालय फेसबुक अकाउंट में पोस्ट किया है।

क) प्रदर्शनियां (17) (सार्वजनिक जनता के लिए प्रदर्शित 9 और ऑनलाइन 8)

i) "संविधान दिवस" के अवसर पर संग्रहालय ने 26 नवंबर 2020 को संविधान पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में भारतीय संविधान पुस्तक से रंगीन प्रिंट, संविधान समिति से संबंधित तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

ii) डॉ.बी.आर.अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर, संग्रहालय ने 5 दिसंबर 2020 को महान व्यक्तित्व - "महापरिनिर्वाण" के सम्मान में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

iii "संग्रहालय स्थापना दिवस" के अवसर पर संग्रहालय ने 16 दिसंबर, 2020 को सालार जंग संग्रहालय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

iv) क्रिसमस उत्सव के अवसर पर संग्रहालय ने 25 दिसंबर, 2020 को "मेरी क्रिसमस-ईसा मसीह के जन्म" पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

v) संग्रहालय सप्ताह समारोह के अवसर पर संग्रहालय ने 7 जनवरी, 2021 को "विश्व के संग्रहालयों" पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

vi). गणतंत्र दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 26 जनवरी, 2021 को "भारतीय संविधान और भारत के गणतंत्र दिवस के महत्व" पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

vii) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 8 मार्च 2021 को एक पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया।

viii) भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाले सभी संगठनों को 13 मार्च, 2021 से आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में कार्यक्रमों और स्मारक गतिविधियों को शुरू करने के लिए सूचित किया था। संग्रहालय ने आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों और स्मारक गतिविधियों का शुभारंभ किया।

ix) होली उत्सव के अवसर पर, संग्रहालय ने 27-03-2021 को "राधा - कृष्ण द्वारा होली" विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

लॉकडाउन अवधि के दौरान संग्रहालय ने ऑनलाइन आभासी प्रदर्शनियों का आयोजन किया और नेटिज़न्स के लाभ के लिए सालार जंग संग्रहालय के फेसबुक अकाउंट में पोस्ट किया।

i) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 10 अप्रैल, 2020 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के बचपन, शिक्षा, राजनीतिक जीवन के इतिहास को सम्मिलित किया गया।

ii) राजा रवि वर्मा के 172वें जन्मदिन के अवसर पर संग्रहालय ने 29 अप्रैल, 2020 को ऑनलाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया।

iii) विश्व विरासत दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 18 अप्रैल, 2020 को दीन दयाल के संग्रह से "पुराना हैदराबाद" विषय पर ऑनलाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया।

iv) बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर संग्रहालय ने 7 मई, 2020 को "बुद्ध" पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

v) संग्रहालय ने जून, 2020 में "सालार जंग संग्रहालय में बिदरीवेयर: दक्कन का एक शिल्प" पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

vi) संग्रहालय ने 21 अगस्त, 2020 को "दक्कनी शैली और पुरुषों के फैशन" पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

vii) विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 27 सितंबर, 2020 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

viii) अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 8 मार्च 2021 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

ख) विशेष व्याख्यान / वार्ता

कला प्रेमियों, इतिहासकारों, छात्रों और आम जनता के लिए दो (2) ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किए गए।

i) श्री पी.वेणुगोपाल, पूर्व- उप क्यूरेटर, सालार जंग संग्रहालय द्वारा 30 मई, 2020 को "सालार जंग संग्रहालय के खजाने" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।

ii) डॉ. राजा रेड्डी, मुद्राशास्त्र और पूर्व निदेशक, निम्स द्वारा 20 जून, 2020 को "शातवाहन का इतिहास" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।

II कार्यक्रम

i) संग्रहालय में 14 अप्रैल, 2020 को डॉ.बी.आर.अम्बेडकर की जयंती का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

ii) संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार योग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

iii) संकल्प पर्वः सालार जंग संग्रहालय ने (28 जून से 12 जुलाई, 2020 तक वृक्षारोपण अभियान) संकल्प पर्व शुरू किया। इस अवधि के दौरान बरगद, बेल, आवला, पीपल और अशोक जैसे पेड़ पौधे लगाए गए। इस दौरान करीब 131 पौधे लगाए गए। संग्रहालय क्षेत्र पहले से ही हरियाली से घिरा हुआ है।

iv) 15 अगस्त, 2020 को संग्रहालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और परेड का निरीक्षण किया गया।

v) श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर संग्रहालय ने 31 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। इस अवसर पर केंऔसुब कर्मियों सहित अधिकारी, कर्मचारी एकत्रित हुए और उन्हें शपथ दिलाई गई।

vi) 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक सालार जंग संग्रहालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली।

vii) दि.08.11.2020 को गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरु नानक के फोटो पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई।

Viii) 28 नवंबर, 2020 को संग्रहालय में "संविधान दिवस" मनाया गया। इस दिन सभी अधिकारी और कर्मचारी एकत्रित होकर संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा।

ix) डॉ बी.आर.अंबेडकर की पुण्यतिथि 5 दिसंबर, 2020 को संग्रहालय में मनाई गई।

x) संग्रहालय स्थापना दिवस 16 दिसंबर, 2020 को संग्रहालय में मनाया गया।

xi) सालार जंग संग्रहालय में 8 से 14 जनवरी, 2021 तक संग्रहालय सप्ताह मनाया गया।

xii) सुभाष चंद्र बोस का जन्म दिवस 23 जनवरी, 2021 को संग्रहालय में मनाया गया तथा संग्रहालय ने महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी।

xiii) 26 जनवरी, 2021 को सालार जंग संग्रहालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और परेड निरीक्षण का भी आयोजन किया गया।

xiv) 8 मार्च, 2021 को सालार जंग संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

स्वच्छ भारत

संग्रहालय ने स्वच्छ भारत के तहत वर्ष 2014 से नियमित गतिविधि के रूप में संग्रहालय और उसके आसपास की सफाई के रखरखाव के लिए विभिन्न गतिविधियों की शुरुआत की है।

संग्रहालय के अधिकारी व कर्मचारी तथा केंऔसुब के जवान हर हफ्ते संग्रहालय भवन छत और संग्रहालय के आसपास की सफाई का रखरखाव करते हैं। संग्रहालय में सफाई की निगरानी भी अधिकारियों द्वारा नियमित गतिविधि के रूप में की जा रही है।

यौन उत्पीड़न: भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने जीओएमएस संख्या एफ.20-12-2018 दिनांक 24 सितंबर 2019 में कहा है कि, वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले प्रत्येक संगठन को वर्ष के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामलों की संख्या और अधिनियम के तहत निपटाए गए मामलों को संगठन की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल करना चाहिए।

जहां तक सालार जंग संग्रहालय का संबंध है, इस संग्रहालय के कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न की ऐसी कोई शिकायत या उत्पीड़न की सूचना प्राप्त नहीं हुई अतः निस्तारण की गई शिकायतों को शून्य माना जाए।

III संग्रहालय गतिविधियां

क) पाण्डुलिपि अनुभागः पाण्डुलिपि अनुभाग की गतिविधियाँ संक्षेप में निम्नानुसार हैं।

क) दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या	:	114
(ख) देखे गए पांडुलिपियों की संख्या	:	177
(ग) पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन	:	4188

ख) पुस्तकालय अनुभाग: प्राच्य अनुभाग सहित पुस्तकालय की गतिविधियां संक्षेप में निम्नानुसार हैं।

क) दौरा करने वाले विद्वानों/पाठकों की संख्याः	:	79
ख) देखे गए पुस्तकों/पत्रिकाओं की संख्याः	:	236
ग) पुस्तकों, पत्र - पत्रिकाओं का भौतिक सत्यापनः	:	2997

ग) रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला

इस अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों की 121 कलाकृतियों का रासायनिक उपचार और संरक्षण किया गया है। इसके अलावा रासायनिक प्रयोगशाला ने 286 गैर-कलाकृतियों (अर्थात्: पुस्तक एवं रजिस्टर बाइंडिंग) के उपचार का कार्य भी किया ।

घ) वस्तुओं का भौतिक सत्यापन

इस अवधि के दौरान 8,054 कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन किया गया।

च) डिजिटलीकरण

इस अवधि के दौरान 633 वस्तुओं को जतन प्रबंधन सॉफ्टवेयर में प्रकाशित किया गया है और अब तक किया गया कुल कार्य 46855 है।

छ) पांडुलिपियां और पुस्तकालय पुस्तकें

अवधि के दौरान 263 पांडुलिपियां डिजिटाइज़ की गई है।

ज) आरएफआईडी टैगिंग

क) पांडुलिपियां	:	8,191
ख) पुस्तकालय पुस्तकें	:	70,557

IV विकास कार्य

i) दीर्घाओं के पुनर्गठन की परियोजना के अंतर्गत, संग्रहालय ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित 3 (तीन) और दीर्घाओं का पुनर्गठन किया है।

1. बिदरी दीर्घा,
2. भारतीय मूर्तिकला दीर्घा और
3. भारतीय कांस्य दीर्घा।

ii) बुकिंग कार्यालय का नवीनीकरण कार्य शुरु किया गया था, जिसके निकट भविष्य में पूर्ण होने की संभावना है।

iii) बच्चों के लिए एक अंतर क्रियाशीलता केंद्र (इंटरैक्टिव सेंटर) का निर्माण शुरू किया गया। गतिविधि क्षेत्र में लगभग 8000 वर्ग फुट क्षेत्र जोड़ा जाएगा। सिविल कार्य प्रगति पर हैं।

सालार जंग संग्रहालय हैदराबाद

वार्षिक लेखा

वर्ष

2020-2021

के लिए

वर्ष 2020 - 2021 के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का वार्षिक लेखा

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	अनुसूची सं.	पृष्ठ सं. से -तक
1	तुलन पत्र		32
2	आय और व्यय लेखा		33
3	प्राप्तियां व भुगतान लेखा		34-35
अनुसूचियां - तुलन पत्र			
4	कार्पस /पूंजीगत निधि	1	36
5	रिज़र्व और अधिशेष	2	36
6	चिह्नित निधि	3	37
7	प्रारक्षित ऋण व उधार	4	37
8	गैर-प्रारक्षित ऋण व उधार	5	37
9	आस्थगित दायिता	6	38
10	चालू दायिता / प्रावधान	7	38
11	नियत परिसंपत्तियां	8	39–40
12	चिह्नित / धर्मदाय निधि से निवेश	9	41
13	निवेश - अन्य	10	41
14	रद्दी परिसंपत्ति	10क	41
15	तुलन पत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची	11	42
अनुसूचियां - आय और व्यय लेखा			
16	विक्रय/सेवाओं से आय	12	43
17	अनुदान / परिदान	13	43
18	शुल्क / अभिदान	14	44
19	निवेश से आय	15	44
20	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	44
21	अर्जित ब्याज	17	45
22	अन्य आय	18	45
23	नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	18क	45
24	तैयार माल के स्टाक में घट-बढ व चालू कार्य	19	46
25	स्थापना व्यय	20	46
26	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	47
27	केंऔसुब पर व्यय	21क	48
28	पूर्ववर्ति अवधि समायोजन	21ख	48
29	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	22	48
30	ब्याज प्रदत्त	23	48
लेखा पर टिप्पणियां			
31	विशिष्ट लेखा नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	24 व 24क	49–50
32	आकस्मिक दायिता	25	51–52
33	ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां	(अनु-11ख)	53
	चालू दायिता	(अनु-7)	53
34	अन्य आय	18	54
35	सामान्य भविष्य निधि निवेश अनुसूची-I		54
36	सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र		55
37	प्राप्तियां और भुगतान		55
38	सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्राडशीट के अनुसार)		55
39	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट		56-60

वित्तीय विवरणी (गैर - लाभ संगठन)
सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2021 को तुलनपत्र

(राशि-रुपयों में)

कार्पस/पूंजी, निधि और दायिता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
कार्पस/पूंजी निधि	555,669,388	593,510,231	1
रिजर्व और अधिशेष	8,374,896	10,102,241	2
चिह्नित/धर्मदाय निधि	272,741	256,248	3
प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	4
गैर प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	5
आस्थगित दायिता	-	-	6
चालू दायिता और प्रावधान	7,307,326	21,991,805	7
कुल - दायिता	**571,624,351**	**625,860,525**	

परिसंपत्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
नियत परिसंपत्तियां - खंड ब्लॉक			**8**
i) वर्ष के आरम्भ में	939,999,702	922,195,047	
ii) वर्ष के दौरान जोड	40,546,647	17,804,655	
iii) वर्ष के अंत में (i + ii)	980,546,349	939,999,702	
घटाएं: मूल्यह्रास	437,824,182	388,960,711	
आरक्षिति का समायोजन	2,041,069		
शुद्ध राशि:	540,681,098	551,038,991	
जोड : चल रहे पुंजीगत कार्य	9,307,540	39,656,237	
कुल नियत परिसंपत्तियां:	**549,988,638**	**590,695,228**	**8**
निवेश – चिह्नित / धर्मदाय निधियों से	272,741	256,248	9
निवेश - अन्य	-	-	10
रद्दी परिसंपत्तियां	-	-	10A
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि.	21,362,972	34,909,049	11
विविध व्यय (समायोजन किया गया या बट्टे खाते में न डाला गया)		-	-
कुल - परिसंपत्तियां	**571,624,351**	**625,860,525**	

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां और लेखों पर टिप्पणी : 24/24क
आकस्मिक देयताएं 25

सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा

(राशि-रु में)

आय		चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
क	बिक्री / सेवाओं से आय		5080391		26564085	12
ख	(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान :	186884000		272305000		
घटाएं:	(ii) अप्रयुक्त अनुदान	-		-14255628		13
	(iii) निवल (i - ii)	186884000		258049372		
जोडें:	(iv) पिछले वर्ष का अप्रयुक्त अनुदान पुन:वैधित	14255628				
	(v) मंत्रालय को देय ब्याज समायोजित	-				
	वर्ष के दौरान प्रयुक्त अनुदान (iii + iv)	201139628		258049372		
घटाएं:	पूंजीगत लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान	10000000		20000000		
	कार्पस/पूंगीगत निधि को अंतरित: (अनुसूची-1 देखें)					
निवल	(ख) राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान		191139628		238049372	
ग	सोलार पॉवर प्लांट के लिए एमएनआरई से प्राप्त सहायता राशि				735000	
घ	शुल्क / अभिदान		0		-	14
	निवेश से आय - चिह्नित / धर्मदाय निधि	16493		16378		
	चिह्नित / धर्मदाय निधि से आय निधि लेखा को अंतरित (अनुसूची 9 देखें)	-16493		-16378		15
च	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय				1382	16
छ	अर्जित ब्याज		1383428		1763706	17
ज	अन्य आय		1584502		4536069	18
झ	सहायता प्राप्त सोलार पॉवर प्लांट से आस्थगित आय		1727345		823664	8&2
ट	स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि				-	18क
ठ	स्टॉक (प्रकाशनों) में वृद्धि (+) / कमी (-)		-21175		537310	19
	कुल (क)		**200,894,119**		**273,010,588**	
	व्यय	**चालू वर्ष**		**पिछले वर्ष**		
क	स्थापना व्यय		122325514		123825146	20
ख	प्रशासनिक व अनुरक्षण व्यय		29063895		56848957	21
ग	केंऔसुब पर व्यय		46441013		89382641	21क
घ	पूर्व अवधि लेनदेन / समायोजन		-			21ख
च	अनुदान आदि पर व्यय		-		-	22
छ	ब्याज		-		-	23
ज	वर्ष के लिए मूल्य ह्रास (अनुसूची - 8 देखें)		48863471		35485425	
	कुल (ख)		**246693893**		**305542169**	
	आय से अधिक व्यय का शेष अधिक आय (ख - क)		45799774		32531581	
	पूंजीगत रिज़र्व को अंतरित (अनुसूची - 2 देखें)				735000	
	सामान्य रिज़र्व से / को अंतरित		-		-	
	शेष (घाटा) कार्पस / पूंजीगत निधि को अग्रेनीत- (अनुसूची 1 देखें)		**45799774**		**33266581**	

(*) एमएनआरई – नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (अनुसूची – 24क के अंतर्गत नोट 5ख देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां व भुगतान

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I अथ शेष			**I व्यय: (स्थापना, प्रशासनिक आदि)**		
क) हाथ नकदी	20164	217002	क) स्थापना व्यय	122360514	123790146
ख) बैंक में शेष			ख) प्रशासनिक व रखरखाव व्यय	23177915	42268142
I. चालू खाते में	25675289	10174762	ग) प्रकाशनों का मुद्रण	-	537310
ii. जमा खाते में	-	-	घ) कर्मचारी अग्रिम	-	-
iii. बचत खाते म	-	-	च) बयाना धन की वापसी	320566	1108590
कुल - I	**25695453**	**10391764**	छ) टीडीएस, जीएसटी और सेस	611553	1087478
			ज) छात्रवृत्ति		725000
			कुल - I	**146470548**	**169516666**
II प्राप्त अनुदान			**II किए गए निवेश व जमा**		
क) केंद्र सरकार से			I. चिह्नित निधियों से	-	-
क) सामान्य - केऔसुब और संग्रहालय			ii. अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)	-	-
अनुरक्षण (एच 31)	74250000	122500000			
ख) पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन (एच 35)	10000000	20000000	**III (क) व्यय (पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन)**		
ग) कर्मचारी वेतन (एच 36)	102494000	129580000	1 भवन परियोजना (नया)	6824030	8569304
घ) स्वच्छ भारत (96.33)	140000	225000	2 विद्यमान भवन विकास		1167918
कुल - II	**186884000**	**272305000**	3 दीर्घाओं का पुर्नगठन	2816653	6591156
ख) राज्य सरकार से	-	-	4 उपकरण आदि का संरक्षण		91533
ग) अन्य स्रोतों से	-	-	5 सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन		1220257
			6 डिजिटाइजेशन और प्रलेखन		2052026
			7 जन सुविधाएं		206295
			8 संरक्षण - पुस्तकालय, पांडुलिपियां		101511
			9 विद्युत प्रतिष्ठान	4500	
			10 विद्युत और अन्य उपकरण	351057	
			11 पुस्तकालय पुस्तकें	3760	
			12 सोलार पॉवर प्लांट का अग्रिम	-	-
			कुल - II (सीसीए)	**10000000**	**20000000**
III टिकटों की बिक्री से आय	**5080391**	**26388460**			
IV निम्नलिखित से निवेश पर आय					
क) चिह्नित / धर्मदाय निधि	-	-			
ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-			
पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**217659844**	**309085224**	**पृष्ठ कुल अग्रेनीत**	**156470548**	**189516666**

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	**217659844**	**309085224**	**कुल शेष अग्रानीत**	**156470548**	**189516666**
V निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज			**III (ख) व्यय (अन्य)**		
1 बैंक में जमा टीडीआर	457602	645707	1 .सांस्कृतिक व जन शिक्षा		2470026
2 बचत खाता		0	2 संरक्षण	401674	878605
3 विध्युत जमा और अन्य		0	3 पुस्तकालय	319641	1402653
4 कर्मचारी अग्रिम	820300	978641	4 पांडुलिपी	157826	349104
कुल - V	**1277902**	**1624348**	5 फोटोग्राफी	93297	73436
			6 डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	429782	1129914
			7 सुरक्षा उपकरण का अनुरक्षण	5088326	7272096
			8 केंऔ.सु.ब. की प्रतिनियुक्ति	46441013	88620357
			9 स्वच्छ भारत अभियान		225000
			कुल - III	**52931559**	**102421191**
VI अन्य आय (उल्लेख करें)			**IV अतिरिक्त धन/ऋण की धनवापसी**		
क) प्रकाशनों की बिक्री		0	क) भारत सरकार को	-	-
ख) पट्टा किराया	844018	3158521	ख) राज्य सरकार को	-	-
ग) विविध प्राप्तियां	127678	247265	ग) ऋण देनेवालों को	-	-
घ) अन्य आय (तोलन मशीन, रद्दी बिक्री)		273823	**V वित्त प्रभार**	**-**	**-**
कुल - VI	**971696**	**3679609**	**VI अन्य भुगतान**	**-**	**-**
			VII इतिशेष		
VII अन्य कोई प्राप्तियां / वसूलियां			क) हाथ नकदी	26460	20164
क) कर्मचारी अग्रिम	442230	738176	ख) बैंक में शेष		
ख) बयाना जमा रकम	327958	954353	i) चालू खाते में	11963283	25675289
ग) परिपरिसंपत्तियों की बिक्री		-	ii) जमा खाते में	-	-
घ) टीडीएस जीएसटी और सेस	712220	1551600	iii) बचत खाते में	-	-
च) बैंक गारंटी जमा की रिहाई		0	**कुल - VII**	**11989743**	**25695453**
छ) पेंशन निधि जमा					
कुल - VII	**1482408**	**3244129**			
कुल	**221391850**	**317633310**	**कुल**	**221391850**	**317633310**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 1 - कार्पस/पूंजीगत निधि:	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क) वर्ष के आरंभ में शेष	1013652238		992917238	
जोड़ें: वर्ष के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि के प्रति अभिदान (सीसीसी निधि + सहायिकी)	10000000		20735000	
वर्ष के अंत में कुल :		1023652238		1013652238
(ख) पिछले वर्ष से लाया गया आय से अधिक व्यय शेष	420142007		386875426	
जोड़ें: आय और व्यय लेखे से अंतरित अधिक व्यय शेष	45799774		33266581	
घटाएं: मूल्यह्रास पद्धति में परिवर्तन के कारण समायोजन	2041069			
घटाएं: कुल आय से अधिक व्यय		467982850		420142007
कुल (क - ख)		**555669388**		**593510231**

(राशि रु.में)

अनुसूची 2 - आरक्षितियां व अधिशेष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पूंजी आरक्षिति		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	10102241	10190905
वर्ष के दौरान जोड		735000
घटाएं: कटौतियां (आय और व्यय लेखा को अंतरण)	1727345	823664
वर्ष के अंत तक शेष	8374896	10102241
2 आरक्षिति व अधिशेष	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
3 विशेष आरक्षिति	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
4 साधारण आरक्षिति	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
कुल	**8374896**	**10102241**

नोट: रु.17,27,345 के आस्थगित व्यय को इसी मूल्यह्रास प्रभारित में कटौति की गई.(अनुसूचि 24 (क) के अंतर्गत नोट 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 3 - चिह्नित/ धर्मदाय निधि:	निधि-वार कोटि			कुल	
	सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	(स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी -रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) प्रारंभिक शेष (एफडीआर में निधि का अंकित मूल्य	85425	75204	47707	208336	208336
ख) निधि में जोड़ दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ग) **ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं (अनंतिम)**					
i) पिछले वर्ष के अंत तक	17944	19948	10020	47912	
ii) वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	6848	5821	3824	16493	
iii) चालु वर्ष के अंत तक कुल	24792	25769	13844	64405	47912
घ) कुल क + ख + ग (iii)	110217	100973	61551	272741	256248
च) उपयोगिता/निधि के प्रयोजनो के प्रति व्यय	-	-	-	-	-
i. **पूंजीगत व्यय**					
- स्थिर परिसंपत्ति					
- अन्य					
कुल च (I)					
ii. **राजस्व व्यय**					
वेतन, मज़दूरी और भत्ता आदि					
- किराया					
अन्य प्रशासनिक व्यय					
कुल च (ii)					
कुल (ग)	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में कुल शेष (घ - च)	**110,217**	**100,973**	**61,551**	**272,741**	**256,248**

नोट: 1 अथशेष 2016-17 (रु. 208336) में नवीनीकृत एफडी के अंकित मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है
2 टीडीएस कटौती स्रोत, यदि कोई हो, विवरण के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है.
3 (एसबीआई) बैंक द्वारा प्रमाणित वर्ष के लिए अर्जित ब्याज (16493 रु.)

(राशि रु.में)

अनुसूची 4 - प्रारक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

(राशि रु.में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 सावधि जमा		
8 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 6 - आस्थगित देयता	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क) पूंजीगत उपस्कर तथा अन्य परिसंपत्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियां	-	-
ख) अन्य		
कुल	-	-

अनुसूची 7 - चालु दायित्व व प्रावधान	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू दायित्व		
1 स्वीकारोक्तियां	-	-
2 विविध लेनदार		
. क) माल के लिए	-	-
. ख) अन्य के लिए	11535	11535
3 प्राप्त अग्रिम राशि		
. क) साइकल स्टैंड पट्टे की रकम	-	-
. ख) अन्य		
4 उपार्जित ब्याज परंतु देय नहीं		
. क) प्रारक्षित ऋण /उधार		
. ख) अप्रारक्षित ऋण /उधार		
5 सांविधिक देयताएं		
क) अतिशोध्य	-	-
. ख) अन्य – जीएसटी	590381	489714
6 अन्य चालू देयताएं		
क) पुनर्वैधीकरण के लिए प्रस्तावित खर्च न किया गया अनुदान	-	14255628
ख) बयाना रकम / प्रतिभूति जमा (कृपया अनुबंध देखें)	6374939	6367547
ग) सोलार पॉवर प्लांट के लिए टीएसआरईडीसीओ को देय राशि	-	-
7 बकाया देयताएं - राजस्व लेखा		
i. छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	-	-
ii. महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	200000	200000
iii. केंऔसुब को भुगतान	-	-
iv. पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	-	-
v. देय वेतन व भत्ता, बोनस,छुट्टी यात्रा रियायत,समयोपरी भत्ता इत्यादि	-	35000
vi. टेलीफोन प्रभार इत्यादि	471	9880
vii. कर्मचारियों को जीपीएफ अभिदान पर ब्याज	-	-
viii रखरखाव व्यय	-	422501
ix. विधि व्यय	-	-
x. आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	110000	200000
xi. संकलन शुल्क देय	20000	
कुल - क	**7307326**	**21991805**
ख. प्रावधान		
कराधान		
उपदान	..	..
संचित छुट्टी नकदीकरण	..	..
अधिवार्षिता पेंशन	..	..
कुल - ख	..	..
कुल (क + ख)	**7307326**	**21991805**

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2021 को नियत परिसंपत्तियां और चल रहे कार्य

(राशि रु.में)

अनुसूची 8			सकल ब्लाक					मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
क्रम सं	नियत परिसंपत्तियां परिसंपत्ति का नाम	उपयोगी जीवन	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में कीमत/ मूल्यांकन	रिजर्व में समायोजन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
	1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
(क)	**नियत परिसंपत्तियां**												
1	**भूमि**		1,795,603			1,795,603						1,795,603	1,795,603
2	**भवन**	60											
	- संग्रहालय		455,934,973	2,919,799	-	458,854,772		82,443,497	9,018,405		91,461,902	367,392,870	373,491,476
	- अग्नीशमन		3,814,651		-	3,814,651		652,878	75,300		728,178	3,086,473	3,161,773
	- मौजुदा भवन विकास		6,209,340	6,250	-	6,215,590		151,818	144,413		296,231	5,919,359	6,057,522
	- प्रेक्षागृह			301,552		301,552			7,182		7,182	294,370	
	- बुकिंग कार्यालय विस्तार			1,740,212		1,740,212			41,444		41,444	1,698,768	
	- वीआईपी लांज			114,602		114,602			2,729		2,729	111,873	
	- परस्पर संवादात्मक गतिविधी केंद्र			14,792,620		14,792,620			352,297		352,297	14,440,323	
3	**यंत्र, संयंत्र और उपस्कर**	15			-				-				
	- डीज़ल जनरेटर व ए सी प्लांट		7,847,485		-	7,847,485	890,075	5,309,441	147,061		5,456,502	1,500,908	2,538,044
	- संयत्र उपस्कर व औजार		7,433,024		-	7,433,024	663,329	4,196,747	513,235		4,709,982	2,059,713	3,236,277
	- फायर हाईज़्रंट / अलार्म		39,639,130		-	39,639,130	-	24,814,636	2,198,935		27,013,571	12,625,559	14,824,494
4	वाहन	10	1,805,470		-	1,805,470	2,364	1,676,644	84,030		1,760,674	42,432	128,826
5	फर्नीचर व फिक्सचर	10	16,837,780		-	16,837,780	(835,993)	14,334,678	1,395,520		15,730,198	1,943,575	2,503,102
6	शोकेस व वॉल पैनलिंग	8	2,734,406		-	2,734,406	2	2,335,439	53,186		2,388,625	345,779	398,967
7	दीर्घाओं का पुनर्गठन -पूर्वी ब्लॉक दूसरी मंजिल का विस्तार	8	111,480,235	19,739,504 374,841	-	131,219,739 374,841	(17,158,555) -	110,597,812	8,182,484 -		118,780,296 -	29,597,998 374,841	882,423
8	फाल्स सीलिंग	10	13,784,412		-	13,784,412	51,706	5,102,348	2,404,311		7,506,659	6,226,047	8,682,064
9	डिसप्ले ऑफिस		378,220		-	378,220	-	378,220	-		378,220	-	-
10	**विद्युत व अन्य उपस्कर**	10			-		-		-				
	- विद्युत व कार्यालय उपस्कर		34,440,022		-	34,440,022	4,341,322	17,403,188	5,494,895		22,898,083	7,200,617	17,036,834
	- फोटोग्राफी उपस्कर		2,164,067	5,600	-	2,169,667	372,583	1,369,354	215,417		1,584,771	212,313	794,713
	- डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण (आरएफआईडी)		2,994,344	345,457	-	3,339,801	-	160,636	322,927		483,563	2,856,238	2,833,708
	- रसायनिक प्रयोगशाला उपस्कर		6,793,727		-	6,793,727	262,934	2,136,385	1,109,554		3,245,939	3,284,854	4,657,342
	- सुरक्षा उपस्कर		25,526,913		-	25,526,913	3,234,681	15,729,451	2,611,160		18,340,611	3,951,621	9,797,462
	- सामूहिक शिक्षा		2,798,135		-	2,798,135	677,271	2,120,864	-		2,120,864	-	677,271
	- जन संबोधन प्रणाली		9,214,041		-	9,214,041	406,203	3,773,524	1,770,976		5,544,500	3,263,338	5,440,517
	- टाइपराइटर्स		139,873		-	139,873	6,993	132,880	-		132,880	-	6,993
	- कैलकुलेटर्स		20,526		-	20,526	1,881	18,645	-		18,645	-	1,881
	-ऊर्जा बचत पंखे			197,950		197,950			9,345		9,345	188,605	
11	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	3	4,794,069		-	4,794,069	(181,466)	4,586,111	238,890		4,825,001	150,534	207,958
	कुल अग्रानीत		**758,580,446**	**40,538,387**	**-**	**799,118,833**	**(7,264,670)**	**299,425,196**	**36,393,696**	**-**	**335,818,892**	**470,564,611**	**459,155,250**

1			2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	कुल अग्रानीत		**758,580,446**	**40,538,387**	**-**	**799,118,833**	**(7,264,670)**	**299,425,196**	**36,393,696**	**-**	**335,818,892**	**470,564,611**	459,155,250
12	**विद्युत प्रतिष्ठान**	**10**			-								
	- दीर्घाओं का वातानुकूलन		29,617,437		-	29,617,437	2,570,616	13,930,675	2,217,847		16,148,522	10,898,299	15,686,762
	- सोलार पॉवर प्लांट		33,094,953		-	33,094,953	-	9,009,504	3,957,083		12,966,587	20,128,366	24,085,449
	- सोलार पॉवर प्लांट (सहायता प्राप्त)		12,017,630		-	12,017,630	-	1,915,389	1,727,345		3,642,734	8,374,896	10,102,241
	- सीसीटीवी उपस्कर		76,861,430	4,500	-	76,865,930	6,735,123	51,638,011	4,545,175		56,183,186	13,947,621	25,223,419
13	पुस्तकालय के पुस्तक		10,749,668	3,760	-	10,753,428	-	-	-		-	10,753,428	10,749,668
14	कलाकृतियों की कीमत		3,251,008		-	3,251,008	-	-	-		-	3,251,008	3,251,008
15	पांडुलिपियां व माइक्रोफिल्म		2,342,154		-	2,342,154	-	-	-		-	2,342,154	2,342,154
16	**अन्य नियत परिसंपत्तियां**	**30**					-		-				
	- साइकल स्टैंड		40,506		-	40,506	-	27,060	1,346		28,406	12,100	13,446
	- इंडेक्स कैबिनेट		3,569,279		-	3,569,279	-	3,569,279			3,569,279	-	-
	- अल्युमिनियम पार्टिशन		454,707		-	454,707	-	454,707	-		454,707	-	-
	- पानी का फव्वारा		302,220		-	302,220	-	196,579	9,613		206,192	96,028	105,641
	- शेड (सुरक्षा चेक पाइंट)		341,040		-	341,040	-	17,087	11,366		28,453	312,587	323,953
17	. भंडार का आधुनिकीकरण		8,777,224		-	8,777,224	-	8,777,224			8,777,224	-	-
	कुल - (क)		**939,999,702**	**40,546,647**	**-**	**980,546,349**	**2,041,069**	**388,960,711**	**48,863,471**	**-**	**437,824,182**	**540,681,098**	551,038,991
	पिछले वर्ष के आंकडे		922,195,047	17,804,655		939,999,702		353,475,286	35,485,425		388,960,711	551,038,991	568,719,761
(ख)	**पूंजीगत चल रहे कार्य**												
	क) भवन कार्य												
	- नये प्रॉजेक्ट भवन		12,461,400		12,461,400	-						-	12,461,400
	- मौजुदा भवन विकास (*)		589,605		589,605	-						-	589,605
	ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन		26,605,232	2,441,812	19,739,504	9,307,540						9,307,540	26,605,232
	ग) उपकरणों का संरक्षण					-							
	घ) सुरक्षा उपकरणों का यूजी					-							
	च) डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण					-							
	छ) जन सुविधाएं					-							
	ज) पुस्तकालय, पांडुलिपि संरक्षण					-							
	कुल जोड (2019-20)		**39,656,237**	**2,441,812**	**32,790,509**	**9,307,540**	**-**	**-**	**-**		**-** **-**	**9,307,540**	**39,656,237**
	झ) फाल्स सीलिंग (दीर्घाएं)					-						-	
	ट) दीर्घाओं का वातानुकूलन					-						-	
	ठ) सोलार पॉवर प्लांट(60KWp) के लिए सहायता					-						-	-
	कुल - (ख)		**39,656,237**	**2,441,812**	**32,790,509**	**9,307,540**	**-**	**-**	**-**		**-** **-**	**9,307,540**	**39,656,237**
	कुल (क + ख)		**979,655,939**	**42,988,459**	**32,790,509**	**989,853,889**	**2,041,069**	**388,960,711**	**48,863,471**	**-**	**437,824,182**	**549,988,638**	**590,695,228**

टिप्पणियां:

1) मंत्रालय द्वारा वर्ष के दौरान जारी किए गए सीसीए फंड से किए गए पूंजीगत व्यय को शुरु में (बी) डब्ल्यूआईपी में परिवर्द्धन के तहत दिखाया गया है और संपूर्ण वस्तुओं को संबंधित श्रेणियों में घटाया और जोडा गया है.
2) (*) बुकिंग कार्यालय के उन्नयन के लिए मौजूदा भवन विकास व्यय
3) 1,97,39,504/- रुपये पूंजीकृत दीर्घाओं में आईवरी दीर्घा 4,85,000/- रुपये मिस्र दीर्घा 2,96,000/- रुपये दीर्घा के लिए कालीन 3,06,000/- दीर्घा के लिए एलईडी लाइट्स 16,13,105/- रुपये, बिदरीवेयर रु..42,32,386/- भारतीय मूर्तिकला रु.24,68,676/-, दक्षिण भारतीय कांस्य रु .57,03,337/- यूरोपीय संगमरमर और कांस्य रु 46,35,000/- शामिल हैं।
4) WIP दीर्घा में इस्लामिक कला दीर्घा रु 93,07,540/- शामिल है।

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 9 - चिह्नित/धर्मदाय निधियों से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर व बांड	-	-
5. सहायकी और संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा	-	-

धर्मदाय निधि विवरण	एफ डी के नवीकृत मूल्य	पिछली नवीकृत तारीख	नवीकृत	व्याज दर (प्रतिशत) %	31.03.2021 तक उपार्जित ब्याज	वर्ष के अंत तक	वर्ष के अंत तक
1 सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण निधि	103369	5.3.2017	5	6.5	6848	110217	103369
2 एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	95152	1.9.2016	4	7	5821	100973	95152
3 (स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	57727	5.3.2017	5	6.5	3824	61551	57727
	256248				**16493**	**272741**	**256248**

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 – निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3 शेयर		
4 डिबेंचर व बांड		
5 सहायक व संयुक्त प्रयास		
6 - अन्य (उल्लेख किया जाए)		
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - क रद्दी परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रद्दी परिसंपत्ति	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वस्तु सूची:		
क) भंडार व पुर्जे	..	..
ख) खुले औज़ार	..	..
ग) स्टाक – इन-ट्रेड	..	..
I) तैयार माल	..	..
ii) चालू काम	..	..
iii) कच्चा माल	..	..
प्रकाशन व कैसेटों का अंतिम माल (अनु.19 देखें)	1255196	1276371
2 विविध ऋणी		
क) छ: महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
ख) अन्य	-	-
3 हथगत में शेष राशि (कैश बैलेन्स इन हैंड) (चेक / ड्राफ्ट व अग्रदाय सहित)	**26460**	**20164**
4 बैंक बैलेन्स:		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
i) चालू खाते में	11963283	25675289
ii) जमा खाते में (एफडी)	-	-
iii) बचत खाते में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
i) चालू खाते में		
ii) जमा खाते में		
iii) बचत खाते में		
5 डाक घर-बचत खाता		
कुल - क	**13244939**	**26971824**
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति		
1 ऋण		
क) कर्मचारी अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	1408854	1851084
ख) एलटीसी / यात्रा भत्ता अग्रिम लंबित अंतिम निपटारा	-	-
ग) अन्य सत्ताएं जो समरूप गतिविधियों/प्रयोजनों में व्यस्त हों	-	-
घ) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
2 नकद या उपाहार या मूल्य के लिए प्राप्य वसूलीय अग्रिम और अन्य रकम	**-**	**-**
क) पूंजीगत खाते पर	-	-
ख) पूर्व भुगतान	0	79492
ग) अन्य जमा व अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	4213858	4213858
घ) सोलार प्लांट (60किवांपी) के लिए टीएसआरईडीकं से प्राप्य सहायक राशि	8014	205964
च) साईकल स्टैंड ठेकेदार (पट्टे का किराया)	501957	450000
छ) एचएचईसी से किराया - विद्युत प्रभार	623274	192238
ज) टीएसटीडीसी - कैफेटेरिया किराया कमीशन, विद्युत और जल प्रभार	280756	380392
झ) टीएसटीडीसी सूचना सेंटर - किराया और विद्युत प्रभार	0	27665
ट) एसबीआई एटीएम सेंटर - किराया और विद्युत प्रभार	103646	20100
ठ) हैदराबाद केफे - किराया और विद्युत प्रभार	316418	55201
ड) हैदराबाद लैकर - किराया और विद्युत प्रभार	60109	1785
ढ) एसजे बैग शॉप - किराया और विद्युत प्रभार	36714	234
ण) एसजे पर्लस और बैंगल्स - किराया और विद्युत प्रभार	64980	19111
त) एसजे चाय स्टाल - किराया और विद्युत प्रभार	95471	2287
थ) अन्य देय - वसूली योग्य किराये पर जीएसटी		-
द) - एलएस और पीसी - (श्रीमती केदारेश्वरी)	298456	298456
3 उपार्जित आय लेकिन देय नही :		
क) चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर	-	-
ख) निवेशों पर- अन्य (सामान्य भविष्य निधि लेखे पर)	-	-
ग) ऋण और अग्रिमों पर	-	-
घ) अन्य (विद्युत जमा पर ब्याज)	105526	139358
4 बिल / प्राप्य दावे - प्रकाशनों की लागत	-	-
कुल (ख)	**8118033**	**7937225**
कुल चालू परिसंपत्तियां (क + ख)	**21362972**	**34909049**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवा से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 बिक्री से आय		
क. तैयार माल की बिक्री		...
ख. कच्चे माल की बिक्री		...
स्कैप की बिक्री	0	175625
2 सेवाओं से आय		
क. मज़दूरी व प्रक्रिया किए जाने का प्रभार		
ख. व्यावसायिक/परामर्श सेवा		
ग. एजन्सी कमीशन व ब्रोकरेज		
घ रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/परिसंपत्ति)		
च. अन्य (उल्लेख करें)		
3. प्रवेश टिकटों की बिक्री	5,080,391	26388460
कुल	**5,080,391**	**26,564,085**

(राशि रु.में)

अनुसूची 13 - प्राप्त अनुदान/ सहायक अनुदान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1 केंद्र सरकार - वर्ष के दौरान				
क i) एच.31 - सामान्य (केऔसुब तथा संग्रहालय अनुरक्षण)	74250000		122500000	
ii) एच.35 - परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान(सीसीए)	10000000		20000000	
iii) एच.36 - वेतन	102494000		129580000	
iv) एच.96.31 - स्वच्छ भारत	140000		225000	
कुल- क		186884000		272305000
ख घटाएं: खर्च न किए गए अनुदान				
i) सामान्य				-
ii) परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान		..		-
iii) वेतन		..		-
iv) स्वच्छ भारत		..		-
कुल - ख		-14255628		14255628
ग वर्ष के दौरान खर्च किया गया कुल अनुदान (क - ख)		201139628		258049372
2 राज्य सरकार		-		-
3 सरकारी एजेंसियां		-		-
4 संस्थानें / कल्याण निकाय		-		-
5 अंतर्राष्ट्रीय संगठन		-		-
6 अन्य (उल्लेख करें)		-		-
कुल		**201139628**		**258049372**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2021 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 14 -शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 15 - निवेश से आय (निधि को अंतरित चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 ब्याज				
क) : सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) : अन्य बांड और डिबेंचर	-	-	-	-
ग) : आवधिक जमा	16493	16378	-	-
2 लाभांश (डिविडेंड)	-	-	-	-
क) : शेयर पर	-	-	-	-
ख) : म्युचुअल निधि प्रतिभूति पर	-	-	-	-
3 किराया	-	-	-	-
4 अन्य	-	-	-	-
कुल	**16493**	**16378**	**-**	**-**
चिह्नित/धर्मदाय निधि में अंतरित (अनुसूची 3 और 9 देखें)	**16493**	**16378**	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 16 - रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय,	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) रॉयल्टी से आय	-	-
ख) प्रकाशनों से आय	-	1382
ग) अन्य (स्पष्ट करें)		
कुल	**0**	**1382**

सालार जंग ससंग्रहालय

दि.31 मार्च 2021 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) सावधि निवेश (टर्म डिपाजिट) पर :		
क) अनुसूचित बैंकों से	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) संस्थानों से	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत लेखा पर ;	-	-
क) अनुसूचित बैंकों से	457602	645707
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) डाक घर बचत लेखा	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर :	-	-
क) कर्मचारी / कर्मी	820300	978641
ख) अन्य	-	-
4) विद्युत जमा और देनदार तथा अन्य प्राप्य के ब्याज	105526	139358
कुल	**1383428**	**1763706**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 बिक्री /परिसंपत्तियों के निपटारे से प्राप्त लाभ:		
क) निजी परिसंपत्तियां	-	-
ख) अनुदान या मुफ्त में अर्जित परिसंपत्तियां	-	-
2 वसूले गए निर्यात उद्दीपक	-	-
3 ववविध सेवाओं का शुल्क	-	-
4 विविध आय		
क) सैकल स्टैंड का पट्टा किराया		1756850
ख) टीएसटीडीसी रेटोरेंट किराया, कमीशन आदि	80772	696823
ग) एचएचईसी से प्राप्त किराया		709200
घ) एटीएम सेंटर के लिए एसबीआई से किराया प्राप्तियां	180000	180000
च) टीएसटीडीसी सूचना केंद्र से किराया प्राप्तियां		147033
छ) शॉप, प्रेक्षागृह से प्राप्त किराया		700700
ज) तोलन मशीन से प्राप्तियां		98198
झ) फुटकर प्राप्तियां	127678	247265
ट) अर्जित किराया (अनुलग्नक देखें)	1173613	0
ठ) अर्जित कमीशन	22439	
कुल	**1584502**	**4536069**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18क -नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	0	0
कुल	**0**	**0**

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 19 - तैयर माल के स्टाक में वृद्धि/कमी तथा चल रहे कार्य		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	अंतिम स्टॉक (प्रकाशन आदि)	1255196	1276371
	- तैयार माल		
	- चल रहे कार्य		
ख)कमी	आरंभिक स्टॉक	1276371	739061
	- तैयार माल		
	- चल रहे कार्य		
	निवल वृद्धि (+) / कमी (-)	**-21175**	**537310**

(राशि रु.में)

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन तथा मज़दूरी	67713556		68319275
ii)	महंगाई भत्ता			1251000
	कुल (i + ii)		67713556	69570275
ख)	नई पेंशन योजना में जमा की गई राशि		1005678	992729
ग)	बोनस		-	-
घ)	भविष्य निधि के लिए अंशदान		-	-
च)	कर्मचारी कल्याण व्यय		-	-
छ)	कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ		11087043	7939964
ज)	पेंशन / परिवार पेंशन भुगतान		37821815	40336477
झ)	शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति		1023397	1145067
ट)	समयोपरि भत्ता		-	
ठ)	यात्रा भत्ता		-	-
ड)	चिकित्सा प्रतिपूर्ति		2072440	3045429
ढ)	छुट्टी यात्रा रियायत		596530	29571
ण)	छुट्टी का नकदीकरण		405383	128623
त)	मानदेय			54000
थ)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज			-
द)	छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान (ज़ेडएओ, सीबीडीटी)		394672	319330
ध)	पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा		205000	263681
	कुल		**122325514**	**123825146**

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क क्रय (प्रकाशनों की छपाई)		538,692
ख आउटसोर्सिंग और कर्मचारी आकस्मिक मज़दूरी	4,010,024	7,709,995
ग बिजली तथा पॉवर	2,947,730	4,870,935
घ जल प्रभार	224,043	2,986,268
च बीमा		-
छ मरम्मत तथा रखरखाव (मजदूरी आदि)		
i भवन & बगीचे	4,350,077	8,983,279
ii विद्युत, जेनरेटर & एसी. संयंत्र व लिफ्ट	2,723,520	6,697,637
iii जल निर्माण कार्य जन सुविधाएं	739,431	-
iv डिजिटाईजेशन और फोटो सेक्शन	523,079	1,203,350
v सांस्कृतिक व सामूहिक शिक्षा	96,054	2,470,026
vi रसायनिक संरक्षण व परिरक्षण	401,674	878,605
vii पुस्तकालय	319,641	1,402,653
viii पांडुलिपि अनुभाग	157,826	349,104
ix कार्यालय उपकरण	3,625,105	6,477,543
x सुरक्षा प्रणाली और उपकरण	5,088,326	6,509,812
ज उत्पाद शुल्क		-
झ किराया,दर तथा कर	1,932,942	2,165,406
ट वाहन,चालन तथा रख-रखाव व्यय	441,000	441,000
ठ ड़ाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार	248,725	253,565
ड लेखन सामग्री (टिकटों) का मुद्रण	255,360	820,848
ढ यात्रा तथा परिवहन व्यय		176,776
ण संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय		-
त अभिदान (टैगोर फेलोशिप छात्रवृत्ति)	683,531	725,000
थ शुल्क		-
द लेखा परीक्षकों का पारिश्रामिक (एजी)		-
ध आतिथ्य व्यय		38,380
न व्यायसायिक प्रभार (आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क)	28,000	497,000
प अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण / अग्रिमों के लिए प्रावधान		-
फ अप्राप्य शेष को बट्टे खाते में डालना	-	
ब विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार	71,196	143,418
भ अन्य (स्पष्ट करें)		-
1 संकलन शुल्क	20,000	-
2 कानूनी व्यय	20,500	275,215
3 बैंक प्रभार	4,111	9,450
4 सैनिटेशन / स्वच्छ भारत	140,000	225,000
5 वीआईपीयों को उपहार (सूची पत्र, प्रतिकृतियां आदि)		-
6 एएमसी ठेका	12,000	-
कुल	**29063895**	**56,848,957**

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-क - केंऔसुब पर व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन एवं भत्ते	44647242	85988112
2	चिकित्सा व्यय	1262561	2632245
3	अन्य व्यय (के.औ सु ब उपकरण का अनुरक्षण)	531210	762284
	कुल	46441013	89382641

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-ख - पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	प्राप्तियां	व्यय	प्राप्तियां	व्यय
1 एनपीएस (श्री चिट्टीबाबु) से प्राप्त राशि				
2 पिछले वर्षों से संबंधित एटीएम किराया				
3 जीपीएफ लेखा पर उपार्जित ब्याज और देय का प्रतिलेखन				
कुल				
शुद्ध समायोजन (प्राप्तियों पर अतिरिक्त व्यय)				
कुल (शुद्ध व्यय)				0

(राशि रु.में)

अनुसूची 22 - अनुदान , अभिदान आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) संस्थान / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थान / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-

नोट- हस्तियों के नाम, उनकी गतिविधियां अनुदान/अभिदान की राशि सहित, विवरण दिया जाए

(राशि रु.में)

अनुसूची 23 - ब्याज भुगतान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	नियत जमा पर	-	-
2	अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3	अन्य	-	-
	कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 24

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां :

1. सालार जंग संग्रहालय के लेखों का रख-रखाव सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में किया जा रहा है. लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है तथा भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के साथ परामर्श से केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुरूप किया जाता है. ऐतिहासिक परंपरा लागत के आधार पर वित्तीय विवरणियां तैयार किए जाते हैं.

2. **भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता :**

   अनुदानों को उनकी उपयोगिता/ स्वीकृति के आधार पर राजस्व अनुदान तथा पूंजीगत अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है. जीएफआर के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार वर्ष के लिए पूंजीगत और राजस्व पर व्यय प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है. अनुदान का लेखाकरण वास्तविक आधार पर किया गया है.

3. **नियत परिसंपत्तियां :-**

   नियत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन सभी प्रासंगिक और अधिप्राप्ति संबंधी अन्य सीधे व्यय को सम्मिलित कर, अधिप्राप्ति के लागत पर किया गया है.

4. **मूल्यह्रास :-**

क) वर्ष 1981-82 से 1999-2000 तक के लिए अनुदान निधि से अधिगृहित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक संस्था है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त होते हैं तथा परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है. तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सूचना के अनुसार कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV के सीधे लाइन पद्धति के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखा वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है. वित्त वर्ष 2020-21 में, मूल्यह्रास प्रभारित करने के लिए संग्रहालय कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV से अनुसूची II में कंपनी अधिनियम 2013 में स्थानांतरित हो गया।

ख) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के संक्रमणकालीन प्रावधानों के अनुसार, संपत्ति की वहन राशि जिसके लिए उपयोगी लाइफ शून्य है (अनुसूची II के अनुसार) रु.20,41,069/- की राशि आरक्षित पर प्रभारित की गई थी। (शेष राशि से अधिक आय से अधिक व्यय)

ग) संग्रहालय द्वारा संग्रहित पुस्तकालय की पुस्तकें, पांडुलिपियां, कलाकृतियां, तथा माइक्रोफिल्में आदि और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियों को छोडकर सभी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया जा रहा है.

5. **कलाकृतियों का मूल्य :-**

   उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालार जंग इस्टेट से लिए गए कलाकृतियां, सामान व जुड़नार, पुस्तकें , पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन-पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया. तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है.

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के उपदान, छुट्टी नकदीकरण पर व्यय के लिए बही खाते में कोई प्रावधान नहीं किया गया. तथापि इसे नकद आधार पर लेखे में दर्शाया गया.

7. संग्रहालय के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है तथा इसकी सूची निम्नानुसार है.

लेखों पर टिप्पणी - (2020-21)

1. **सालार जंग संग्रहालय में कलाकृतियों की संख्या:**

कलाकृतियों की कुल संख्या (कलाकृतियां और गैर कलाकृतियां)	- 48,367
प्रदर्शित वस्तुओं / कलाकृतियों की संख्या	- 16,606
आरक्षित वस्तुओं / कलाकृतियों की संख्या	- 31,761

2. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण :**

पिछले वर्ष (वित्त वर्ष 2019-20) के लिए भारत सरकार द्वारा 142,55,628/- रुपये की अव्ययित अनुदान राशि को चालू वर्ष (वित्त वर्ष 2020-21) में आय के रूप में मान्यता दी गई है।

3. **मूल्यह्रास :**

(i) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाइफ के अनुसार खातों की पुस्तकों में मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

(ii) जीएसआर 237 (ई), दि 29-8-2014 द्वारा अधिसूचित मूल्यह्रास की संशोधित दरें सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के अनुमोदन के बाद लागू किया जाएगा।

(iii) वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में TSREDCo के माध्यम से 600 KWp के लिए क्रमशः 98,00,330 रुपये, 14,82,300 रुपये और 7,35,000 रुपये (सौर संयंत्र की 30% परियोजना लागत पर) की सब्सिडी राशि जारी की गई और भारत सरकार, गैर-नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संबंधित वर्षों में 'पूंजीगत आरक्षित' के रूप में माना गया है (अनुसूची 2 देखें) और वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यह्रास की राशि के अनुरूप आरक्षित राशि का हिस्सा 'आय और व्यय' खाते में स्थानांतरित किया जा रहा है।

4. **भूमी :**

अनुसूची 8 (स्थायी परिसंपत्तियां) के तहत 10 एकड़ और 62 गुंटे की भूमि, जिसका मूल्य 17,95,603 रुपये है, में संग्रहालय द्वारा अधिग्रहित भूमि की लागत के लिए 9,43,903 रुपये की राशि और 8,51,700 रुपये मूल्य की भूमि शामिल है, संग्रहालय को दान में दी गई।

5. **नई पेंशन योजना से संबंधित निधि :**

I) भारत सरकार ने स्वायत्त निकायों को दिनांक 30.01.2009 के पत्र सं. 1(13) /ईवी/2008 के अंतर्गत जारी किए गए अनुदेशों के प्रतिक्रिया में, सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 06.04.2009 के पत्र सं. एसजेएम /स्थापना/ एनपीएस/ 2009-75 के अंतर्गत नई पेंशन अंशदायी योजना में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है और इसे 2009-10 से कार्यान्वित किया जा रहा है.

ii) चालू वर्ष के दौरान नई पेंशन योजना में कर्मचारियों से वसूल की गई राशि रु 10,05,678/- (पिछले वर्ष रु 9,92,729/-) और संग्रहालय द्वारा समान रूप से अभिदान के साथ पेंशन नियामक प्राधिकरण के पास जमा की गई है.

6. चिह्नित / धर्मदाय निधि पर ब्याज प्रोद्भूत को संबंधित निधि लेखा में अंतरित किया गया है.

7. संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, बचत और जमा खातों पर अर्जित ब्याज मंत्रालय/भारत सरकार को देय है। बचत खाते पर वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज (4,57,602/- रुपये) है।

8. **जीएसटी**

क) केंऔसुब कर्मियों की 'तैनाती की लागत' पर सरकार को भुगतान किए गए जीएसटी का दावा पहले के वर्षों में 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (आरसीएम) के तहत किया जाना था, जिसके परिणामस्वरूप सरकार के पास क्रेडिट बैलेंस हो गया है। वर्ष के दौरान किराए आदि पर एकत्रित जीएसटी सरकार के पास जमा शेष के समायोजन के लिए सरकार को प्रेषित नहीं किया गया है।

ख) उपार्जित तथा दुकानों से देय लीज रेंट पर रु.1,00,667/- की राशि का दावा जीएसटी उपरोक्त के मद्देनजर खातों में प्रदान नहीं किया गया है।

9. जहां कहीं आवश्यकता हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहबद्ध, पुनःव्यवस्थित तथा पुनःवर्गीकृत किया गया है.

10. आंकड़ों को निकटतम रुपयों में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है.

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएं

1. संग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावें

I संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण का सिविल ठेकेदार, मेसर्स एन.बी.सी.सी ने देय शेष राशि के रूप में 200.00 लाख रु का दावा किया है। मामला न्यायाधीन है।

II मेसर्स सॉलमन राजु तथा अन्य ने ठेकेदार द्वारा नियुक्त मज़दूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रु के प्रतिपूर्ति की मांग की। मामला न्यायाधीन है।

III मेसर्स अरुद्र कंस्ट्रक्शंस, हैदराबाद द्वारा एक रिट याचिका दायर की गई थी, जिन्होंने पश्चिम ब्लॉक की दूसरी मंजिल के विस्तार के लिए काम को अंजाम दिया गया था, नुकसान और ब्याज के लिए 15,85,000/- रु. का दावा किया गया था और मामला न्यायालय में लंबित है। ठेकेदार ने पहले स्टील के खरीद के बिल के गैर-उत्पादन के लिए अंतिम बिल से संग्रहालय द्वारा 2,65,796/- रु. की राशि वापस लेने के लिए न्यायालय में मामला दायर किया था। न्यायालय ने हालांकि, ठेकेदार को उक्त राशि के भुगतान के लिए निर्णय लिया। रिट याचिका के निपटान के लिए, उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

2. आकस्मिक देयताओं के रूप में माने गए अन्य दावों का विवरण

		चालू वर्ष ₹	पिछला वर्ष ₹
क)	संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ख)	बैंक से रियायत प्राप्त बिल		
ग)	आय कर / बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगे		
घ)	आदेशों के अनुपालन न करने के लिए पार्टियों द्वारा किए गए दावें लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नही किया गया.		

3. पूंजी दायित्व

पूंजी लेखा पर पूरा किए जानेवाले ठेकाओं को प्राक्कलित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया तथा उसके लिए उपलब्ध नही किया गया.	कुछ नहीं	कुछ नहीं

4. पट्टे के दायित्व

संयंत्र व मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत आगे और किराये के दायित्व	कुछ नहीं	कुछ नहीं

5. विदेशी मुद्रा का लेन-देन

क) सीआईएफ आधार पर आयातों के मूल्य की गणना :

- तैयार माल की खरीदी - कच्चा माल & संघटक (पारगमन सहित) - पूंजी माल - भंडार, पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तु	कुछ नहीं	कुछ नहीं

ख) विदेशी मुद्रा में व्यय :

- यात्रा - विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थान / बैंको को दी गई धनवापसी तथा ब्याज - बिक्री पर कमीशन - कानूनी तथा व्यायसायिक व्यय - विविध व्यय	कुछ नहीं	कुछ नहीं

ग) **अर्जन** - एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य

6. लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक :

- लेखा परीक्षकों के रूप में / कराधान विषय - प्रबंधन सेवाओं के लिए / प्रमाणीकरण के लिए / अन्य	कुछ नहीं	कुछ नहीं

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुलग्नक बना कर 31.03.2021 के तुलन-पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया, तथा उस तारीख को आय तथा व्यय लेखा समाप्त हुई है.

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची 11(ख), 7 का अनुलग्नक (2020-2021)

(राशि रु.में)

अनुसूची 11(ख) - ऋण, अग्रिम तथा परिसंपत्तियां

1. बाहरी व्यक्तियों के पास अन्य जमा तथा अग्रिम

विवरण		31-3-2021 को	31-3-2020 को
(क)	1 बल्दिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद.	5000	5000
	2 कार केर सेंटर, हैदराबाद	3000	3000
	3 जूबिली डाक कार्यालय, हैदराबाद	1265	1265
	4 दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली	46646	46646
	5 तेलंगाना राज्य विद्युत विभाग में प्रतिभूमि जमा	2912847	2912847
	क) एल.टी.कनेक्शन		
	ख) कर्मचारी क्वार्टर		
	ग) एच.टी. कनेक्शन		
	घ) अतिरिक्त प्रतिभूमि जमा		
	6 सेल फोन जमा	9000	9000
	7 विद्युत मीटर जमा	100	100
(ख)	केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास जमा	1236000	1236000
	कुल (क + ख)	**4213858**	**4213858**

II. कर्मचारी अग्रिम (अनुसूची 11 ख)

विवरण		अथ शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
1	ग्रह निर्माण अग्रिम	1651384		343482	1307902
2	मोटर साईकिल अग्रिम	8800		2000	6800
3	कंप्यूटर अग्रिम	187900		96748	91152
4	त्योहार अग्रिम	3000			3000
	कुल (अनुसूची – 11 ख)	**1851084**	**-**	**442230**	**1408854**

अनुसूची – 7 चालू देयता

विवरण	अथ शेष	प्राप्तियां	धन वापसी	इति शेष
बयाना राशि / प्रतिभूति जमा	**6367547**	**327958**	**320566**	**6374939**

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची 18 - वर्ष 2020-21 को अन्य आय

		अर्जित आय	किराय	प्राप्य कमीशन	31-3-2021 को
		टीएसटीडीसी किराया	77176	22439	99615
		एचएचईसी संग्रहालय-शॉप किराय	615000		615000
		एसजे चाय स्टॉल	86400		86400
		एसजे पर्लस और बैंगल्स	57600		57600
		हैदराबाद लैकर बैंगल्स	57600		57600
		एसबीआई एटीएम			0
		हैदराबाद केफे	204000		204000
		एसजे बैग शॉप	36480		36480
		सैकिल स्टैंड	51957		51957
		किराए की आय माफ	-12600		-12600
			1173613	**22439**	**1196052**

अनुसूची - 1

2020–21 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि निवेश

क्रम सं.	एफडीआर सं.	निवेश करने की तारीख	अवधि	ब्याज दर प्रतिशत (%)	राशि रु.में
1	39617986084	31.08.2020	6 महीने	4.40%	4,000,000
2	39617985604	31.08.2020	9 महीने	4.40%	5,000,000
3	39617986584	31.08.2020	1 वर्ष	5.10%	5,000,000
4	37478239633	18.01.2018	1463 दिन	6%	5,000,000
5	37478240571	18.01.2018	1463 दिन	6%	5,000,000
6	37646390106	11.04.2018	4 वर्ष	6.70%	1,800,000
				कुल	**25,800,000**

सालार जंग संग्रहालय

2020-21 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि - तुलन पत्र

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	देयताएं	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	परिसंपत्तियां	चालू वर्ष
24416078	वर्ष को समाप्त अभिदान (मार्च 2021 शामिल है)	28390216	11800000	टीडीआर में निवेश (अनु-1 देखें)	25800000
			-	बैंक प्रभार के रूप में सा.सं बोर्ड से प्राप्य राशि	
2022409	उपार्जित ब्याज	1123228	14638487	सामान्य भविष्य निधि नकद पुस्तिका के अनुसार इति शेष	3713444
26438487	**कुल**	**29513444**	**26438487**	**कुल**	**29513444**

वर्ष 2020-21 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
3705787	अथ शेष	14638486	16391012	निकासी द्वारा	6494104
9340874	अभिदान	9569711	0	एफडीआर में निवेश	14,000,000
17000000	निवेशों से आहरण		649	बैंक प्रभार	649
983487	एफडीआर पर प्राप्त ब्याज		14638487	इति शेष द्वारा	3713444
31030148	**कुल**	**24208197**	**31030148**	**कुल**	**24208197**

31.03.2021 को समाप्त सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्रॉडशीट के अनुसार)

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष
28737771	अथ शेष	23594813	16391012	आहरण	6494104
9360828	कुल अभिदान और धन वापसी	9555293			
1887226	उपार्जित ब्याज (अभिदान कर्ताओं के लेखे पर)	1734214	23594813	सा.भ.नि ब्रॉडशीट के अनुसार इति शेष	28390216
39985825	**कुल**	**34884320**	**39985825**	**कुल**	**34884320**

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद -500 004

सं.डीजीए(सी)/सीईए/यू-V/एसजेएम/एसएआर.2019-20/2020-21/ **दि.04.03.2022**

सेवा में,

सचिव,
भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
सी-विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली -110 001.

महोदय,

विषय:- सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2020-2021 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन.

* * *

सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2020-21 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संबंद्ध अनुलग्नक तथा वर्ष 2020-21 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ संसद में प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित किया जाता है. अनुरोध है कि संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तारीख सूचित की जाए.

इस पत्र के साथ संबंद्ध अनुलग्नक प्राप्त होने की पावती दी जाए.

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

सं.डीजीए(सी)/सीईए/यू-V/एसजेएम/एसएआर.2019-20//2020-21/84 दि.01.03.2022

प्रतिलिपि :- निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, दारुल शिफा रोड, अफज़लगंज़, हैदराबाद-500 002, वर्ष 2020-2021 के लिए वार्षिक लेखा (अंग्रेजी पाठ) की प्रति के साथ अनुरोध है कि इस कार्यालय को अनुमोदित वार्षिक लेखा 2020-2021 के हिंदी पाठ (2 सेट) भिजवाने की व्यवस्था करे.

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
निदेशक/कें.व्य.ले.प.

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखा जोखा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के संलग्न किए गए दि. 31 मार्च 2021 के तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ड्यूटी, शक्तियां व सेवा की शर्तें) सालार जंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 21(2) के साथ पठित अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत लेखा परीक्षा की है. यह वित्तीय विवरणियां संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. हमारी यह जिम्मेदारी है कि हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर हम अपना मत व्यक्त करें.

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा करण अभ्यास एकाउंटिंग प्रैक्टिस, लेखा करण स्तर और प्रकटन मानदंड आदि के साथ पुष्टिकरण के संबंध में लेखा करण पध्दति पर टिप्पणियां. विधि, नियम व विनियमन (स्वामित्व और निरंतरता) और दक्षता एवं कार्यनिष्पादन पहलु आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट/ सीएजी के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अलग से दिखाया जाए.

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा के स्तर में हमारी लेखा परीक्षा आयोजित की है. इस स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि इन वित्तीय विवरणियों में कोई भी गलतियां नहीं हैं. लेखा परीक्षा का अर्थ है परीक्षण के आधार पर राशि के समर्थन में साक्ष्य और वित्तीय विवरणियो में प्रकटन की जांच करना, लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आकलनों का निर्धारण तथा वित्तीय विवरणियों का समस्त प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है. हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारा मत सिद्ध करने के लिए एक उचित आधार है.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

i. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त की है, जो हमारी जानकारी के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक है.

ii. इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित फार्मेट के आधार पर आहरित किया गया है.

iii. हमारा मत है कि लेखे के लिए आवश्यक उचित पुस्तकों और अन्य संबंधित रिकार्डों को सालार ज़ंग संग्रहालय द्वारा यथा आवश्यक अनुरक्षित किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा ऐसे पुस्तकों के किए गए परीक्षण से पता चलता है.

iv. इसके अतिरिक्त हम यह सूचित करते हैं कि

क. तुलन पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 चालू देयताएं और प्रावधान – ₹ 73.07 लाख रुपये

क.1.1.1 इसमें मार्च, 2021 के अंत में उपलब्ध ₹ 3,13 करोड रुपये (₹ 3,19,15,523 रुपये – ₹ 5,90,381 रुपये) के जीएसटी का निवल जमा शेष शामिल नहीं है. इसके परिणामी चालू देयताओं और प्रावधानों में ₹ 3.13 करोड रुपये की न्यूनोक्ति हुई है और उस सीमा तक चालू परिसंपत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों की तदनरूपी न्यूनोक्ति हुई है.

ख . सामान्य

1. वार्षिक लेखा 2019-20 में पिछले पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में बताए जाने के बावजूद बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान नहीं किया गया था.

2. वार्षिक लेखा 2019-20 में पिछले पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में बताए जाने के बावजूद प्रत्येक खाते के लिए अलग से रोकड़ बही का रखरखाव नहीं किया गया था.

3. वार्षिक लेखा 2018-19 पर पिछले पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में बताए जाने के बावजूद सामान्य भविष्य निधि खातों के लिए आय और व्यय लेखा तैयार नहीं किया गया है.

ग. सहायता अनुदान:

वर्ष के दौरान प्राप्त कुल 18.69 करोड़ रुपये* अनुदान और 1.42 करोड़ रुपये अत:शेष सहित कुल 20.11 करोड़ रुपये सहायता अनुदान में से संग्रहालय ने 31 मार्च 2021 तक शून्य शेष छोडते हुए कुल 20.85 करोड़ रुपये** का अनुदान उपयोग किया.

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

---

* (i) (सामान्य): 743.50 लाख रुपये
(ii) (पूंजीगत परिसंपत्तियां): 100.00 लाख रुपये और
(iii) (वेतन): 1024.94 लाख रुपये
(iv) स्वच्छ भारत 1.40 लाख रुपये

** (i) राजस्व व्यय: 19.85 करोड रुपये (वेतन 1223.60 लाख रुपये, प्रशासनिक व्यय–761.10 लाख रुपये)
(ii) वर्ष के दौरान नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का व्यय: 1.00 करोड रुपये.

घ. प्रबंधन का पत्र

कमियां जिन्हें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया था, उसे, उस पर निवारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए अलग से प्रबंधन के पत्र के माध्यम से निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के सूचना में लाया गया.

v. इससे पूर्व पैरा में हमारी टिप्पणी के बावजूद हम यह सूचित करते हैं कि, इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व व्यय लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा बही खाते के करार के अनुसार है.

vi. हमारी राय में तथा हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जानेवाले उक्त विवरण, और ऊपर बताई गई महत्वपूर्ण बातें और इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य बातों से भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जानेवाले लेखा सिद्धांतों का सही दृश्य प्रतीत होता है.

क. दि. 31 मार्च 2021 को सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के कार्य-कलाप के मामलों से संबंधित तुलनपत्र और

ख. उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए **घाटे** से संबंधित आय व व्यय लेखा.

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

अनुलग्नक

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्तता :**

वर्ष 2020-21 के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद की आंतरिक लेखापरीक्षा चार्टर्ड एकांउंटेंट फर्म द्वारा किया गया था। 2019-20 के लिए लेखापरीक्षा का दूसरा दौर आयोजित नहीं किया जा सका जो जनवरी 2022 तक पूरा किया जाना था।

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता :**

आंतरिक नियंत्रण पद्धति पर्याप्त है.

3. **नियत परिसंपत्ति की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2020-21 के लिए नियत परिसंपत्ति की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

4. **वस्तुसूचियों की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2020-21 के लिए वस्तुसूचियों की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

5. **संवैधानिक देयता के भुगतान में नियमितता :**

संवैधानिक देयता का नियमित रूप से भुगतान किया जाता है.

हस्ता/-
निदेशक/कें.व्य.ले.प.

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेज़ी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।